www.nobleexpress.in

वर्ष-3 | अंक-31 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2रू.

दैनिक
नोबल एक्सप्रेस
पढ़ो सबसे बेहतर

भोपाल, 21 अगस्त 2024, भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष 2, संवत् 2081

बुधवार

सुविचार

जो आप खुद पसंद नहीं करते उसे दूसरों पर भी मत थोपिए।

- कन्फ्यूशियस

पेज-7 मेसन में सिनसिनाटी ओपन ...

मोहन सरकार की कैबिनेट में लिया गया फैसला

निकायों में अविश्वास प्रस्ताव के लिए तीन चौथाई बहुमत जरूरी

प्रभार के जिलों में मंत्रियों को करना होगा रात्रि विश्राम

नोबल एक्सप्रेस,भोपाल

सभी मंत्रियों को अब प्रभार वाले जिलों में रात्रि विश्राम करना होगा। मंत्री चाहें तो रात्रि विश्राम जिला मुख्यालय या किसी जनपद और ग्रामीण क्षेत्र में भी कर सकते हैं। इसके अलावा नगरीय निकायों में अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए दो तिहाई के बजाय तीन चौथाई बहुमत की जरूरत होगी। इसके बाद ही अविश्वास प्रस्ताव मंजूर किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में ये निर्णय हुए हैं। बैठक में यह भी तय हुआ है कि जिन संभागीय मुख्यालय में अभी ईओडब्ल्यू के पुलिस अधीक्षक कार्यालय नहीं है, वहां दफ्तर खोले जाएंगे, और पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी के पदस्थापना की जाएगी। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए डिप्टी सीएम और लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र कुमार शुक्ल ने कहा कि मदरसों में अन्य धर्म की शिक्षा पर प्रतिबंध के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। संविधान के अनुच्छेद 28 (3) के प्रावधान के अनुसार मदरसों में अध्ययनरत बच्चों को उनके

धर्म की शिक्षा के विपरीत अन्य धर्म की शिक्षा ग्रहण करने अथवा उपासना में उपस्थित होने को बाध्य करने वाले मदरसों के सभी शासकीय अनुदान बंद किए जाएंगे। ऐसे मदरसों की मान्यता समाप्त करने की विधिवत कार्यवाही सहित अन्य उपयुक्त वैधानिक कार्यवाही भी की जाएगी।

गठित होंगे चार मिशन

शुक्ल ने कहा कि कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा कल्याण, किसान कल्याण मिशन महिला सशक्तिकरण मिशन और गरीब कल्याण मिशन आरंभ करने की जानकारी दी है। इस संबंध में विचार-विमर्श के लिए शीघ्र ही जीएडी के माध्यम मंथन कार्यक्रम किया जाएगा जिसमें सभी मंत्री शामिल होंगे। प्रशासन अकादमी में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

नगरीय क्षेत्रों में टाउन हॉल विकसित किए जाएंगे

प्रदेश में रक्षाबंधन का कार्यक्रम उत्साह और उल्लास से मनाया गया। जन्माष्टमी पर्व 26 अगस्त को प्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े विविध पक्षों पर केन्द्रित कार्यक्रम होंगे। साथ ही नगरीय क्षेत्रों में सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन के लिए टाउन हॉल विकसित किए जाएंगे। इसलिए जन्माष्टमी के दिन सभी मंत्री अपने जिलों में कार्यक्रमों में शामिल हों।

अविश्वास प्रस्ताव रोकने नियमों में संशोधन

डिप्टी सीएम और लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र कुमार शुक्ला ने कैबिनेट की फैसलों की जानकारी दी। बताया कि बैठक में नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए 2 साल के बजाय 3 साल की अवधि तय कर दी गई है। इसमें यह भी तय हुआ है कि अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए दो तिहाई के बजाय तीन चौथाई बहुमत की जरूरत होगी। इसके बाद ही अविश्वास प्रस्ताव मंजूर किया जा सकेगा। इस मामले में कैबिनेट ने पूर्व में लाए गए अध्यादेश को पलट दिया है। नगरपालिका अधिनियम की धारा 43 क में संशोधन करके यह फैसला किया गया है। अविश्वास प्रस्ताव को हतोत्साहित करने के लिए यह निर्णय लिया जाएगा।

ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त की इकाइयां बढ़ेंगी

प्रदेश में जिन संभागीय मुख्यालयों में ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त के दफ्तर नहीं हैं वहां दफ्तर खोले जाएंगे। वर्तमान में चार संभागीय मुख्यालयों में इनके दफ्तर नहीं हैं जिसे जल्द खोला जाएगा। शहडोल, नर्मदापुरम और चंबल में एसपी ईओडब्ल्यू के कार्यालय खुलेंगे।

बीजेपी ने 9 राज्यसभा उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की

राजस्थान से केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू, एमपी से जॉर्ज कुरियन और हरियाणा से किरण चौधरी कैंडिडेट

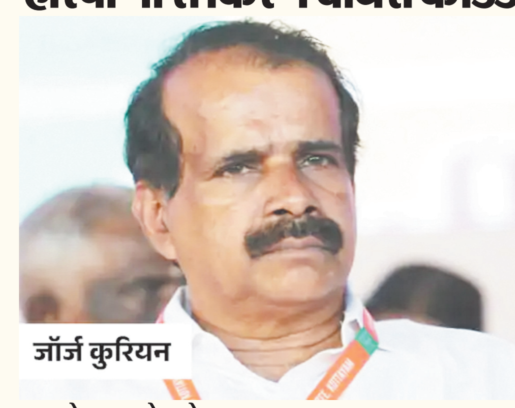

जॉर्ज कुरियन

नोबल एक्सप्रेस,भोपाल

भाजपा ने मंगलवार, 20 अगस्त को राज्यसभा उपचुनाव के लिए 9 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुईं किरण चौधरी हरियाणा से पार्टी की कैंडिडेट होंगी। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को राजस्थान से और जॉर्ज कुरियन को मध्य प्रदेश से उम्मीदवार बनाया गया है। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 21 अगस्त है।लुधियाना से 2 बार सांसद रह चुके रवनीत बिट्टू लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी ने उन्हें लुधियाना से टिकट दिया, लेकिन उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग से 20 हजार 942 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। लोकसभा चुनाव में हार के बाद भी भाजपा ने पंजाब से बिट्टू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया है। मध्यप्रदेश की खाली एक राज्यसभा सीट से भाजपा ने केरल के नेता जॉर्ज कुरियन को प्रत्याशी बनाया है। कुरियन मोदी कैबिनेट में मत्स्य पालन, पशुपालन-डेयरी विभाग के राज्य मंत्री हैं। गुना से लोकसभा सांसद निर्वाचित होने के बाद जून में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राज्यसभा सीट छोड़ दी थी।मंगलवार को भाजपा विधायक दल की मीटिंग में सर्वसम्मति से उनके नाम पर मुहर लगाई गई।

ब्रीफ न्यूज

केजरीवाल को लग रहे झटके पर झटके, कोर्ट ने फिर बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल को फिर झटका लगा है। आबकारी नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई केस में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 27 अगस्त तक बढ़ा दी है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था और गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सीबीआई से जवाब मांगा था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भूइयां की पीठ के समक्ष जैसे ही सुनवाई शुरू हुई, केजरीवाल के वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि उन्हें कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में तीन बार अंतरिम जमानत मिली है और पीएमएलए के तहत मामलों में जमानत दिए जाने के लिए कठोर शर्तें भी लगाई हैं। सिंघवी ने 20 जून को निचली अदालत द्वारा दी नियमित जमानत के साथ ही 10 मई और 12 जुलाई को पारित सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम जमानत आदेशों का हवाला दिया। उन्होंने पीठ को सूचित किया कि दिल्ली हाईकोर्ट ने मौखिक रूप से निचली अदालत के 20 जून के आदेश पर रोक लगा दी थी।

सम्मेलन में लगे खालिस्तान जिंदाबाद के नारे

फरीदकोट। रक्खड़ पुन्या मेले में सांसद अमृतपाल सिंह खालसा के समर्थकों की ओर से पंथक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे गूंजे। इसमें उनके पिता तरसेम सिंह, फरीदकोट से सांसद सरबजीत सिंह, सुखविंदर सिंह, चमकौर सिंह धुन्ना, जुझार सिंह, जसकरण सिंह, दलजीत सिंह ने लोगों को संबोधित किया। इस आयोजन की खास बात यह रही कि पंथक कहलवाने वाले नेताओं को अमृतपाल सिंह की टीम ने आमंत्रण नहीं दिया था। अकालियों के बागी धड़े की ओर से चाहे भाई मंजीत सिंह भूरा कोहना हाजिर हुए, लेकिन उन्हें बोलने नहीं दिया गया। रैली में आए अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने बार-बार खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। सांसद व वारिस पंजाब दे के मुखिया अमृतपाल सिंह ने डिब्रूगढ़ जेल से सिख कौम के नाम संदेश भेजा था जिसे पढ़कर सभी को सुनाया गया। सम्मेलन में सात प्रस्ताव पारित किए गए।

देश का मुसलमान शरिया कानून से नहीं करेगा समझौता

नई दिल्ली। यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी यूसीसी का जिक्र पीएम मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से किया था। अब उसको लेकर मुस्लिमों ने बड़ा ऐलान किया है। देश का मुसलमान शरिया कानून से समझौता नहीं करेगा। पीएम मोदी ने यूसीसी पर देश की आजादी के दिन बड़ा बयान दिया तो इसके कुछ न कुछ मायने तो जरूर ही होंगे। पीएम मोदी के बयान के बाद मुस्लिम संगठन इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने पीएम मोदी के सेक्युलर सिविल कोड पर दिए गए बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। बोर्ड का कहना है कि मुसलमान शरिया कानून से समझौता नहीं करेंगे।

उदयपुर में देवराज की हत्या, सोची समझी साजिश, फांसी की मांग की

उदयपुर। चाकूबाजी में घायल छात्र देवराज की मौत के बाद मंगलवार को उदयपुर में अंतिम संस्कार किया गया। पिता ने बेटे की चिता को मुखाग्नि दी। पुलिस की सख्ती के बावजूद भारी संख्या में लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए। उदयपुर में सुरक्षा को देखकर पुलिसबल शहर में तैनात है। इंटरनेट मंगलवार रात 10 बजे तक बंद रहेगा। वहीं, स्कूल भी बंद हैं। उदयपुर के एसपी योगेश गोयल ने कहा कि हालात नियंत्रण में है।

सुप्रीमकोर्ट ने किया टास्क फोर्स के गठन का एलान

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा- ये सिर्फ एक मर्डर का मामला नहीं है, हमें डॉक्टरों की चिंता है

एजेंसी, नई दिल्ली

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि ये सिर्फ एक मर्डर का मामला नहीं है। हमें डॉक्टरों की सुरक्षा की चिंता है। बेंच ने कहा कि महिलाएं सुरक्षा से वंचित हो रही हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने पीड़िता की पहचान उजागर करने को लेकर भी नाराजगी जाहिर की। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्या के मामले में

सुप्रीम कोर्ट सुनवाई शुरू हो गई। शीर्ष अदालत ने जूनियर डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या और अस्पताल में तोड़फोड़ के मामले पर स्वतःसंज्ञान लिया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शामिल रहे। बेंच ने इस मामले में पीड़िता की पहचान उजागर होने पर चिंता जाहिर की। साथ ही केस में पुलिस जांच से लेकर आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष की भूमिका तक पर सवाल उठाए। कोर्ट ने मामले में आठ सदस्यीय टास्क फोर्स के गठन का फैसला किया।

यूपीएससी में लेटरल एंट्री का आदेश 3 दिन में वापस, मंत्री बोले-

विज्ञापन रदद करें, राहुल गांधी ने कहा था- इससे आरएसएस के लोगों की भर्ती होगी

एजेंसी, नई दिल्ली

यूपीएससी ने लेटरल एंट्री से होने वाली नियुक्ति का प्रस्ताव रद्द कर दिया है। यूपीएससी ने 17 अगस्त को लेटरल एंट्री के जरिए 45 पोस्ट के लिए वैकेंसी निकाली थी। केंद्रीय कार्मिक मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार 20 अगस्त को यूपीएससी चेयरमैन से नोटिफिकेशन रद्द करने को कहा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के

कहने पर यह फैसला लिया गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा था कि लेटरल एंट्री में आरक्षण का प्रावधान नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया था- लेटरल एंट्री के जरिए एससी-एसटी और ओबीसी का हक छीना जा रहा है। मोदी सरकार आरएसएस वालों की लोकसेवकों में भर्ती कर रही है। राहुल के आरोप के जवाब में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि 1976 में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को लेटरल एंट्री के जरिए ही फाइनेंस सेक्रेटरी बनाया गया था।

अजमेर सेक्स स्कैंडल के 6 दोषियों को उम्रकैद

32 साल पहले 100 छात्राओं के साथ गैंगरेप किया था, 5-5 लाख का जुर्माना लगाया

एजेंसी, अजमेर

अजमेर में 32 साल पहले हुए देश के सबसे बड़े सेक्स स्कैंडल के 6 दोषियों को जिला अदालत ने 20 अगस्त, मंगलवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। इसके साथ ही उन पर 5-5 लाख का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने नफीस चिश्ती (54), नसीम उर्फ टार्जन (55), सलीम चिश्ती (55), इकबाल भाटी (52), सोहिल गनी (53), सैयद जमीर हुसैन (60) को उम्रकैद की सजा सुनाई। सजा सुनाते वक्त सभी 6 दोषी कोर्ट में थे। एक आरोपी इकबाल भाटी को एम्बुलेंस से दिल्ली से अजमेर लाया गया था।

रेप विक्टिम पर हाईकोर्ट की टिप्पणी सुको में खारिज

हाईकोर्ट ने कहा था- लड़कियां यौन इच्छाओं पर काबू रखें

एजेंसी, नई दिल्ली/कोलकाता

सुप्रीम कोर्ट ने को नाबालिग से रेप के आरोपी की सजा बहाल कर दी। साथ ही कलकत्ता हाईकोर्ट की उस टिप्पणी को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि किशोरियों को अपनी यौन इच्छाओं पर काबू रखना चाहिए। वे दो मिनट के सुख के लिए समाज की नजरों में गिर जाती हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा- निचली अदालतों को फैसला कैसे लिखना चाहिए।

ठाणे के स्कूल में बच्चियों का यौन-शोषण, पुलिस पर पथराव

भीड़ ने स्कूल में तोड़फोड़ की, ट्रेनें रोकीं, आरोपी गिरफ्तार, सरकार ने एसआईटी बनाई

एजेंसी, मुंबई

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर के बीच ठाणे के बदलापुर में एक स्कूल में दो बच्चियों के यौन-शोषण का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी सामने आने के बाद गुस्साई भीड़ और पुलिस के बीच मंगलवार को झड़प हुई। भीड़ ने पहले स्कूल में तोड़फोड़ की, उसके बाद बदलापुर रेलवे

स्टेशन पर ट्रेनें रोकीं।

ट्रक में घुसा श्रद्धालुओं का ऑटो, 7 लोगों की मौत : मृतकों में एक साल की बच्ची शामिल, 6 घायल, यूपी से बागेश्वर धाम जा रहे थे

नोबल एक्सप्रेस, छतरपुर

छतरपुर में श्रद्धालुओं से भरा ऑटो ट्रक में जा घुसा। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। 6 घायल हैं। 5 की हालत गंभीर है, जिन्हें ग्वालियर रेफर किया गया है। बाकी एक का इलाज छतरपुर जिला अस्पताल में चल रहा है। एक्सीडेंट कदारी के पास नेशनल हाईवे-39 पर मंगलवार सुबह करीब 5 बजे हुआ। मृतकों में बुजुर्ग और एक साल की बच्ची शामिल हैं।

सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मिक चौबे ने बताया कि उत्तर प्रदेश के महोबा रेलवे स्टेशन से 13 श्रद्धालु ऑटो से बागेश्वर धाम जा रहे थे। इसी दौरान ड्राइवर को झपकी आ गई और ऑटो ट्रक से जा टकराया। छतरपुर एसपी अगम जैन ने बताया कि पांच लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई थी, दो ने अस्पताल में दम तोड़ा। सभी श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं।

मां को नहीं पता, बेटी और पति की मौत हो गई

हादसे में डेढ़ साल की अंशिका और उसके पिता जनार्दन की भी मौत हुई है। लेकिन मासूम की मां संगीता यादव को इस बारे में नहीं बताया गया है। संगीता ने बताया, हम लखनऊ के रहने वाले हैं। बेटी अंशिका के मुंडन के लिए बालाजी (बागेश्वर धाम) जा रहे थे। साथ में पति और तीन बेटियां थीं। बेटी के मुंडन से पहले हादसा हो गया। दो बेटियां यहीं हैं, लेकिन छोटी बेटी और पति नहीं दिख रहे हैं।

इनकी हुई मौत

- प्रेम नारायण कुशवाहा (ऑटो ड्राइवर)
- जनार्दन
- मनु श्रीवास्तव
- नन्हे
- गोविंद
- लालू
- अस्वी (उम्र एक साल)।

ये घायल हुए...

मोनू (25) पिता रामनरेश श्रीवास्तव निवासी फरुखाबाद, यूपी,अंशिका (8) पिता जनार्दन यादव निवासी लखनऊ, यूपी, अनुष्का (10) पिता जनार्दन यादव निवासी लखनऊ, यूपी

मुख्यमंत्री ने छतरपुर में हुई दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छतरपुर जिले के खजुराहो-झांसी हाईवे पर हुए सड़क हादसे पर दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में उत्तरप्रदेश के सात लोगों की असामयिक मृत्यु और छह लोगों के घायल होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। गंभीर घायलों को ग्वालियर रैफर किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा परिजन को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की कामना की है।

स्कूल में राष्ट्रगान नहीं, शिकायत पर पहुंचे जिपं उपाध्यक्ष, कलेक्टर और डीईओ से भी शिकायत

भोपाल के पिपलिया बाज खां का मामला

एजेंसी, भोपाल

भोपाल के पिपलिया बाज खां स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया शासकीय माध्यमिक स्कूल में राष्ट्रगान नहीं होने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद मंगलवार को जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट स्कूल में पहुंचे। उन्होंने राष्ट्रगान नहीं कराए जाने की वजह भी जानी। इस मामले में वे कलेक्टर और डीईओ से भी शिकायत करेंगे। मंगलवार को जिपं के उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति के अध्यक्ष भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल करोंद के सामने भोपाल नगर निगम सीमा से लगी हुई फंदा ब्लॉक की ग्राम पंचायत पिपलिया बाज खां पहुंचे। यहां स्कूल का निरीक्षण किया। इस स्कूल को लेकर सरपंच और ग्रामीणों ने लिखित में शिकायत की थी। मौके पर पहुंचे उपाध्यक्ष जाट ने बताया, निरीक्षण में शिकायत सही पाई गई। इस पर स्कूल स्टॉफ के साथ प्रभारी को भी फटकार लगाई है। राष्ट्रगान का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकारी स्कूलों में प्रार्थना के साथ राष्ट्रगान होना आवश्यक है।

विधायक से भी करेंगे शिकायत

उपाध्यक्ष जाट ने बताया, शाला प्रभारी जावेद सुल्तान से पूछा कि आप स्कूल में राष्ट्रीय गान एवं प्रार्थना क्यों नहीं करती हैं? इस पर उन्होंने कहा कि बारिश की वजह से नहीं करा पाए। आगे से कराएंगे। उपाध्यक्ष ने शिक्षकों एवं बच्चों से भी जानकारी ली। विधायक रामेश्वर शर्मा, भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह और डीईओ से इसकी शिकायत करेंगे। निरीक्षण के दौरान आधे शिक्षक मौजूद नहीं थे।

चार साल में ही बावड़ियाकलां ब्रिज पर गड्ढे

पीडब्ल्यूडी ने 22 करोड़ में बनाया था ब्रिज, कांग्रेस ने शिकायत की

एजेंसी, भोपाल

भोपाल के बावड़ियाकलां ब्रिज निर्माण के चार साल के अंदर ही खस्ताहाल है। ज्वाइंट खुलने लगे हैं और गड्ढे भी हो रहे हैं। पीडब्ल्यूडी ने इसे 22 करोड़ रुपए में बनाया था। इसकी जांच कराए जाने के लिए मंगलवार को कांग्रेस ने पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता आरके मेहरा से शिकायत की। यह ब्रिज होशंगाबाद रोड से जुड़ा है, जो मुख्य रोड और बावड़ियाकलां, कोलार, दानिश समेत कई इलाकों में रहने वालों के लिए इधर से उधर आने-जाने का प्रमुख माध्यम है। इसी ब्रिज को लेकर कांग्रेस के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने मंगलवार को शिकायत की।

जिलाध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने मंगलवार को शिकायत की।

शिकायत में यह बताया

कांग्रेस नेता राठौड़ ने पीडब्ल्यूडी के प्रमुख अभियंता मेहरा से शिकायत की। बताया कि कोलार रोड को होशंगाबाद रोड से जोड़ने वाले बावड़ियाकलां ब्रिज साल 2020 में बनाया गया था। इस ब्रिज के स्पेन में ज्वाइंट आ चुके हैं और यह पुल कई बार उखड़ने लगा है। सड़क पर बार-बार गड्ढे हो जाते हैं। जिन्हें भर दिया जाता है, लेकिन कुछ दिन बाद फिर से गड्?ढे उभर जाते हैं। इस ब्रिज से हर रोज लाखों लोग आवागमन करते हैं। ऐसे में हादसे का खतरा भी बना हुआ है।

ब्रीफ न्यूज

26 अगस्त को रहेगा अवकाश, इसलिए अभ्यर्थी अब 27 को वापस ले सकेंगे नाम निर्देशन पत्र

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश में निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट के तहत 26 अगस्त को जन्माष्टमी का अवकाश रहेगा, इसलिए राज्यसभा उप निर्वाचन के लिये नाम निर्देशन पत्र वापसी की प्रक्रिया अब 27 अगस्त को होगी। पहले यह प्रक्रिया 26 अगस्त को होना थी। श्री राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मध्यप्रदेश राज्यसभा उप निर्वाचन को लेकर अधिसूचना विगत 7 अगस्त को जारी कर दी गई है। प्रदेश में राज्यसभा उप निर्वाचन के लिए नामांकन भरने की प्रक्रिया 14 अगस्त से जारी है, जो बुधवार 21 अगस्त तक चलेगी। गुरूवार 22 अगस्त को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। श्री राजन ने बताया कि तीन सितंबर को सुबह 9 से शाम 4 बजे तक मतदान होगा और इसी दिन मतगणना एवं परिणाम की घोषणा की जाएगी।

अतिथि शिक्षक आमंत्रण की कार्यवाही अब 21 अगस्त तक हो सकेगी

भोपाल। प्रदेश में शैक्षणिक-सत्र 2024-25 में शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था के लिये अतिथि शिक्षक आमंत्रण की कार्यवाही की जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस कार्यवाही को अब अनिवार्य रूप से 21 अगस्त तक पूरा करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारियों को दिये हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर पहुँच कर विधायक रमेश मेंदोला के पिता के निधन पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर में विधायक रमेश मेंदोला के निवास नंदानगर पहुंचकर उनके पिता चिंतामणी मेंदोला के निधन पर शोक जताया और श्रद्धा सुमन अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्व. चिंतामणी मेंदोला द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए किये गये कार्यों का स्मरण किया। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित जन-प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वाल्मीकि धाम सिद्धपीठ में किया दर्शन-पूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज उज्जैन में वाल्मीकि धाम सिद्धपीठ पहुंचकर यहां अनंत श्री विभूषित 1008 स्वामी सोहनदास जी महाराज के दर्शन-पूजन किये। इसके बाद उन्होंने झांसी (यूपी) और अकोला (महाराष्ट्र) से वाल्मीकि धाम आए जाहरवीर गोगादेव जी के निशान ध्वज का भी विधिवत पूजन किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद उमेशनाथ महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रसिद्ध गायिका सुश्री सुधा प्रभुरामन होंगी राष्ट्रीय कुमार गंधर्व सम्मान से विभूषित

भोपाल । संस्कृति विभाग द्वारा विख्यात संगीत मनीषी पं. कुमार गंधर्व की स्मृति में 24 एवं 25 अगस्त को पंडित कुमार गंधर्व समारोह का आयोजन देवास में किया जा रहा है। नई दिल्ली की प्रसिद्ध गायिका विदुषी सुधा रघुरामन को राष्ट्रीय कुमार गंधर्व सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

भोपाल में हमीदिया के बाहर जूडा ने लगाई ओपीडी

कोलकाता की घटना का विरोध जारी सेंट्रल डॉक्टर प्रोटेक्शन एक्ट की मांग

एजेंसी,भोपाल

कोलकाता में 8 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के विरोध में देशभर में डॉक्टरों का प्रदर्शन जारी है। भोपाल में हमीदिया अस्पताल के जूनियर डॉक्टर्स ने मुख्य बिल्डिंग के बाहर समानांतर ओपीडी लगाई, जहां मरीजों को देखा गया। जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (जूडा) का कहना है कि हमने हाई कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हुए हड़ताल वापस ले ली है। लेकिन, हम समानांतर ओपीडी लगातार अपना विरोध जारी रखेंगे। इससे पहले सोमवार को जूनियर डॉक्टर्स ने बाइक रैली निकालकर कोलकाता की घटना का विरोध किया था।

जूडा प्रवक्ता कुलदीप गुप्ता ने बताया- कोर्ट के आदेश के बाद जूनियर डॉक्टर काम पर लौट आए हैं, हम लोग अपनी समानांतर ओपीडी चलाकर पेशेंट को देख रहे हैं। मरीज अगर इमरजेंसी कंडीशन में है तो रेफर कर रहे हैं, यहां पर सभी विभागों के विषय विशेषज्ञ डॉक्टर यहां मौजूद हैं। करीब 50 से अधिक डॉक्टर ओपीडी कर रहे हैं। मरीज को किसी भी प्रकार का नुकसान ना हो यही हमारी प्राथमिकता पहले थे, आज भी है और आगे रहेगी। हम लगातार देख रहे हैं कि कोलकाता सरकार का उदासीनता के रवैये से हम खफा हैं, साथ ही सेंट्रल डॉक्टर प्रोटेक्शन एक्ट की मांग कर रहे हैं।

15 अगस्त रात 12 बजे काम बंद किया था

मध्यप्रदेश में हाईकोर्ट के आदेश के बाद जूनियर डॉक्टर ने हड़ताल खत्म कर दी। जूनियर डॉक्टर्स ने 15 अगस्त की रात 12 बजे से काम बंद कर दिया था। इसके करीब 46 घंटे बाद हड़ताल खत्म करने का ऐलान किया। दरअसल, 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या की गई थी। 14 अगस्त की देर रात इसी अस्पताल में हिंसा हुई, जिसके बाद आईएमए ने देशभर में प्रदर्शन का फैसला किया था।

हाईकोर्ट का यह था आदेश

इससे पहले 17 अगस्त दोपहर में हाईकोर्ट ने जूनियर डॉक्टर्स को हड़ताल खत्म करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा कि 20 अगस्त तक अपनी हड़ताल वापस लें। एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सच देवा और जस्टिस विनय सर्राफ की बेंच ने कहा कि हड़ताल का ये तरीका कतई ठीक नहीं है। अगर किसी की जान निकल रही होगी, तो कहिएगा दो दिन बाद दवाई देंगे? हाईकोर्ट ने डॉक्टरों की काम पर लौटने की सलाह दी थी।

मिनिस्ट्री ने सरकारी अस्पतालों के लिए आदेश जारी किए

इधर, कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ रेप और फिर हत्या के मामले के बाद मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर ने देश के सभी अस्पतालों के लिए एडवाइजरी जारी की है, जिसमें अस्पतालों में सुरक्षा के प्रबंधों को और कड़ा किया जाने कि बात की गई है। सरकारी अस्पतालों में सुरक्षा की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, कई तरह कदम उठाने के निर्देश जारी किए हैं।

भोपाल में 8वें दिन तेज बारिश

सुबह 11 बजे से बारिश का दौर शुरू, अब तक 9.8 इंच पानी गिरा

एजेंसी, भोपाल

भोपाल में 8वें दिन मंगलवार को तेज बारिश हो रही है। सुबह तेज धूप निकली, लेकिन सुबह 11 बजे मौसम ने करवट बदली और बारिश शुरू हो गई। लगातार एक घंटे तक तेज पानी गिरता रहा। इससे पहले 7 दिन में सिर्फ 1 मिमी बारिश हुई थी।

वहीं, 1 अगस्त से अब तक 8 दिन ऐसे रहे, जब पानी ही नहीं बरसा। बारिश नहीं होने से गर्मी का असर बढ़ गया और दिन का टेम्प्रेचर 33 डिग्री के पार पहुंच गया। बता दें कि सोमवार को दिन का तापमान 33.3 डिग्री पहुंच गया। यह अगस्त में सबसे ज्यादा टेम्प्रेचर रहा। मौसम विभाग के अनुसार, अगस्त में भोपाल में 13 इंच बारिश होने का ट्रेंड है, लेकिन इस बार अब तक 9.8 इंच पानी ही बरसा। इधर, भोपाल में अब तक 33 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है, जो सीजन की करीब 90 प्रतिशत तक है, लेकिन अगस्त में मानसून की बेरुखी भी देखने को मिली है। शुरुआती 4 दिन तक भोपाल में अच्छी बारिश हुई, लेकिन इसके बाद हल्की बारिश का दौर ही चला। इस कारण अगस्त तक कोटा भी फुल नहीं हो सका है।

प्रदेश की गोंड चित्रकला को जीआई टैग मिला

नोबल एक्सप्रेस, भोपाल

प्रदेश की गोंड जनजाति की अपनी विशिष्ट चित्रकला पद्धति को अब विश्व पटल पर विशेष पहचान मिल गई है। गोंड चित्रकला को बौद्धिक संपदा के संरक्षण के तय मानकों में सफल पाया गया है। इससे गोंड चित्रकला को जियोग्राफिकल इंडीकेशन (जी.आई.) टैग मिल गया है। यह प्रदेश की जनजातीय चित्रकारी को वैश्विक स्तर पर मिली मान्यता का प्रमाण है। जनजातीय कार्य विभाग के अधीन कला संबंधी कार्यों के विकास, विस्तार एवं संरक्षण के लिये वन्या प्रकाशन कला साहित्य संकलन, प्रकाशन एवं प्रमाणन का कार्य करती है। वन्या की ओर से प्रदेश की गोंड चित्रकारी के वैशिष्ट्य एवं कला सौंन्दर्य को मान्यता दिलाने जीआई टैग के लिये प्रस्ताव भेजा गया था। पुरातन कला संपदा होने एवं सभी मानकों में खरी पायी जाने पर गोंड चित्रकारी को जीआई टैग से नवाजा गया है।

वन्या प्रकाशन के प्रभारी अधिकारी नीतिराज सिंह ने बताया कि जीआई टैग मिलने से अब गोंड चित्रकारी को राज्य की धरोहर के रूप में पेटेन्ट कर दिया गया है। इससे अब गोंड चित्रकला को बिना अनुमति के व्यावसायिक एवं प्रकाशन सामग्री के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकेगा। जीआई टैग मिलने के बाद वन्या गोंड चित्रकारों को उनकी चित्रकला बेचने के लिये एक वेबसाइट बनाकर ई-कॉमर्स प्लेटफार्म मुहैया कराएगी। इस वेबसाइट में वन्या के प्राधिकृत पत्रधारी गोंड कलाकार अपनी चित्रकला को अपलोड करेंगे। क्रेता अपनी पसंद चुनकर ऑर्डर करेंगे। यह ऑर्डर वन्या तक पहुंचेगा और वन्या संबंधित गोंड कलाकार को वह पेंटिंग उपलब्ध कराने की सूचना कूरियर सर्विस के जरिये देगी। सूचना मिलने पर गोंड कलाकार उसी कूरियर सर्विस से क्रेता को पेंटिंग की आपूर्ति करेगा।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा में आईटी पार्क और रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव की समीक्षा की

नोबल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमन्त्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय में रीवा में प्रस्तावित आईटी पार्क और रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने आईटी पार्क के लिए प्रस्तावित स्थल, विभिन्न प्रावधानों, सुविधाओं की समीक्षा कर निर्देश दिये कि आईटी पार्क में अत्याधुनिक सुविधाओं को शामिल किया जाये।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा में प्रस्तावित रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव की तैयारियों की जानकारी भी प्राप्त की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव को सफल बनाकर क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए समेकित प्रयास किए जायें। उपलब्ध आधारभूत संरचनाओं का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रावधानों को भी योजना में शामिल किया जाये। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मल्टी-परपज़ आईटी पार्क गुढ़ और सोलर पार्क के लिए आवश्यक आधारभूत आवश्यकताओं के लिए निर्देश दिये। बैठक में एमडी एमपीआईडीसी चन्द्रमौली शुक्ला सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग में लर्निंग ड्रायविंग लायसेंस से संबंधित सेवाएं फेसलेस

एजेंसी, भोपाल

प्रदेश में लर्निंग ड्रायविंग लाइसेंस से संबंधित अधिकांश सेवाएं फेसलेस प्रक्रिया के तहत प्रारंभ की गई है। अब इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिये आवेदक को परिवहन कार्यालयों में आने की आवश्यकता नहीं है। आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर तथा निर्धरित प्रक्रिया को पूर्ण कर अपना लर्निंग लायसेंस प्राप्त कर सकता है।

प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र की सुविधा

वाहनों से उत्सर्जित होने वाली हानिकारक गैसों से होने वाले प्रदूषण के कारण पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचाने एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से प्रदूषण जांच केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं। प्रदेश में प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र वाहन पोर्टल पर इंटिग्रेट किया जाकर ऑनलाइन जारी किये जा रहे हैं। प्रारंभ में इस व्यवस्था को भोपाल जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। इस व्यवस्था को अब परिवहन विभाग द्वारा पूरे प्रदेश में लागू किया जा रहा है। वाहनों मे मानव हस्तक्षेप रहित पारदर्शी तरीके से फिटनेस जांच किये जाने हेतु विगत 6 माह में प्रदेश में ग्वालियर, इंदौर एवं जबलपुर में आटोमेटड टेस्टिंग स्टेशन (ए.टी.एस.) स्टेशन स्थापित हो गये है, जिन्हें विभाग द्वारा पंजीयन प्रमाण-पत्र जारी किये गये हैं। 8 ए.टी.एस. के निर्माण के लिये प्राथमिक पंजीयन प्रमाण-पत्र जारी किया गया है तथा एक अन्य ए.टी.एस. के निर्माण के लिये पूर्व में ही प्राथमिक पंजीयन प्रमाण-पत्र जारी किया जा चुका है। परिवहन विभाग ने जन-सामान्य को विभाग से जुड़ी लोक सेवा को पहुंचाने के मकसद से विभाग की 31 आवश्यक सेवाओं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 के अंतर्गत लिया है।

सेडमैप में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आज उद्यमिता भवन में 11 से 2 बजे तक

एजेंसी भोपाल

उद्यमिता विकास केन्द्र मध्यप्रदेश (सेडमैप) के अरेरा हिल्स स्थित कार्यालय में आज नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। नेत्र शिविर प्रात: 11 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 2 बजे संपन्न होगा।

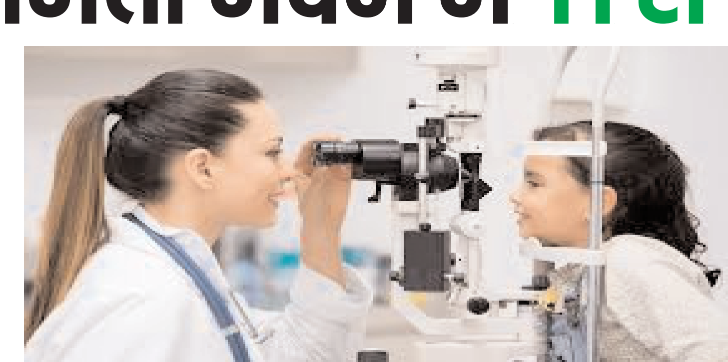

इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा आंखों की जांच की जाएगी और उनके द्वारा नि:शुल्क परामर्श दिया जाएगा। सेडमैप और विज़न केयर, विज़न अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नेत्र शिविर में उद्यमिता विकास केन्द्र के अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ ही आसपास के कार्यालयों के कर्मचारी एवं कॉलोनियों के रहवासी भी नेत्र परीक्षण करा सकेंगे। सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए सेडमैप द्वारा लॉकडाउन के बाद तीन बार रक्तदान शिविर भी लगाए जा चुके हैं। नेत्र परीक्षण शिविर का लाभ सभी को मिल सके, इसके लिए नेत्र परीक्षण शिविर नि:शुल्क रखा गया है।

मंकीपॉक्स के नियंत्रण और बचाव सुनिश्चित करने के लिए गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित करें- उप मुख्यमंत्री शुक्ल

नोबल एक्सप्रेस,भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मध्यप्रदेश में मंकीपॉक्स से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि मंकी पॉक्स से बचाव के लिए केंद्र सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित किया जाये और आवश्यक प्रबंध किए जायें। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा समस्त ज़िलों को दिशानिर्देश जारी कर दिये गये हैं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा गाइडलाइन जारी

उल्लेखनीय है कि मंकीपॉक्स बीमारी का केंद्र वर्तमान में अफ्रीका के देशों में है। इस बीमारी का प्रथम प्रकरण भारत में 14 जुलाई 2022 को केरल में पाया गया था, तत्पश्चात 30 लेबोरेटरी कन्फर्म प्रकरण केरल एवं दिल्ली में पाये गयें, किन्तु 27 मार्च 2024 के पश्चात कोई नवीन प्रकरण नहीं पाया गया है। स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन अनुसार सभी संदिग्ध प्रकरणों को चिन्हाकिंत स्वास्थ्य सुविधाओं में अलग रखा जाएगा। उपचार करने वाले चिकित्सक द्वारा आइसोलेशन समाप्त करने का निर्णय लिये जाने पर ही स्वास्थ्य संस्था से डिस्चार्ज किया जाने के निर्देश हैं। ऐसे समस्त संभावित प्रकरण एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के जिला सर्विलेंस अधिकारी की निगरानी में रहेंगे। संभावित संक्रमण की स्थिति में मंकीपॉक्स वायरस परीक्षण के लिए प्रयोगशाला का सैंपल एनआईवी पुणे भेजे जाएँगे। साथ ही मंकीपॉक्स का पॉजिटिव प्रकरण पाये जाने पर कांटैक्ट ट्रेसिंग कर विगत 21 दिनों में रोगी के संपर्क में आये व्यक्तियों की पहचान किए जाने के निर्देश हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा दिनांक 14 अगस्त 2024 को (मंकीपॉक्स) बीमारी को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ़ इंटरनेशनल कंसर्न (पीएचईआईसी) घोषित किया गया है। मंकीपॉक्स एक वायरल जूनोटिक बीमारी है जो मुख्य रूप से मध्य और पश्चिम अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय वर्षा वन क्षेत्रों में पायी जाती है। मंकीपॉक्स से संक्रमित रोगी को सामान्यत: बुखार, रेश और लिम्फ नोड्स में सूजन पाई जाती है। कुछ रोगियों में चिकित्सकीय जटिलताएं हो सकती हैं। मंकीपॉक्स एक स्व-सीमित संक्रमण है जिसके लक्षण सामान्यत: 2-4 सप्ताह में समाप्त हो जाते है। गंभीर प्रकरणों में मृत्यु दर 1-10 प्रतिशत प्रतिशत है।

मंकीपॉक्स वायरस पशुओं से मनुष्य में और मनुष्य से मनुष्य में भी फैल सकता है। उक्त वायरस कटी-फटी त्वचा, रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट या म्यूकस मेम्ब्रेन (आंख, नाक या मुंह) के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है। संक्रमित पशु/वन्यपशु से मानव में वायरस का संचरण काटने, खरोंचने, शरीर के तरल पदार्थ एवं घाव से सीधे अथवा अप्रत्यक्ष संपर्क (जैसे दूषित बिस्तर) के माध्यम से हो सकता है। मनुष्य से मनुष्य में संक्रमण / संचरण मुख्य रूप से लार्ज रेस्पिरेटरी ड्रॉपलेट्स के माध्यम से सामान्यत: पर लंबे समय तक निकट संपर्क से होता है। वायरस शरीर के तरल पदार्थ / घाव के सीधे संपर्क के माध्यम से और घाव के साथ अप्रत्यक्ष संपर्क के माध्यम से भी प्रसारित हो सकता है, जैसे संक्रमित व्यक्ति के दूषित कपड़ों या लिनेन के माध्यम से। मंकीपॉक्स का इनक्युबेशन पीरियड आमतौर पर 7-14 दिनों का होता है, लेकिन यह 5-21 दिनों तक हो सकता है और इस अवधि के दौरान व्यक्ति आमतौर पर संक्रामक नहीं होता है। संकमित व्यक्ति के चकत्ते दिखने से 1-2 दिन पहले तक रोग फैला सकता है। सभी चकत्तों से पपड़ी गिर न जाए रोगी तब तक संक्रामक बना रह सकता है।

भर्ती प्रक्रिया समय-सीमा में पूर्ण करें: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में विभिन्न पदों की भर्ती कार्यवाही की समीक्षा की

नोबल एक्सप्रेस, भोपाल

उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में मैनपावर उपब्धता के संबंध में की जा रही कार्यवाही और अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने चिकित्सक, विशेषज्ञ, सहायक चिकित्सकीय एवं प्रशासनिक स्टाफ की भर्ती के लिए सभी आवश्यक कार्यवाहियों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में विशेषज्ञों की सीधी भर्ती के लिए प्राथमिकता के आधार पर प्रथम श्रेणी के 1085 पदों के लिए लोक सेवा आयोग द्वारा विज्ञप्ति जारी की जा चुकी है। द्वितीय श्रेणी के पदों में 895 चिकित्सा अधिकारी के पदों के लिए विज्ञप्ति जारी हो चुकी हैं। कुल 1373 द्वितीय श्रेणी के पदों में भर्ती की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। बैठक में संचालक स्वास्थ्य दिनेश श्रीवास्तव सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सैम ग्लोबल विश्वविद्यालय के वरिष्ठ स्वयं सेवक ओम चौरे दिल्ली से वापसी के पश्चात पूरे सैम समूह की ओर साथ ही ग्राम वासियों की ओर स्वागत किया गया

नोबल एक्सप्रेस,भोपाल

सैम ग्लोबल विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की उपलब्धियां हमेशा ही विस्तार होती जा रहा है लेकिन इकाई को सबसे बड़ी उपलब्धि में अब एक और नाम जुड़ गया है

IDC स्वतन्त्रता दिवस समारोह में सहभागिता वरिष्ठ स्वयं सेवक ओम चौरे पिता धनराज चौरे ग्राम सोहागपुर ढाना पोस्ट सिलपटी शाहपुर बैतूल के निवासी है इनका चयन बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के 8 जिलों में से तीन का हुआ था इसी श्रेष्ठ सफलता के लिए ओम चौरे दिल्ली से वापसी के पश्चात पूरे सैम समूह की ओर साथ ही ग्राम वासियों की ओर स्वागत किया गया और बहुत शुभकामनाएं दी गई साथ ही उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

क्षेत्रीय उप स्वास्थ्य केन्द्रों व आंगनबाड़ी केन्द्रों पर भी ग्रामीणों द्वारा किया गया प्रदर्शन

ग्राम बमूलिया दोराहा के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री से ज्ञापन के माध्यम से की मांग

- **बमूलिया दोराहा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सालों से सीएचओ पदस्थ नहीं, छह गांवों के ग्रामीण भगवान भरोस**
- **मरीजों को सीहोर-भोपाल इलाज के लिए होना पड़ता है मजबूर, दूरी अधिक होने से कई मरीज रास्ते में ही तोड़ देते है दम**

नोबल एक्सप्रेस,सीहोर

सीहोर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के दुरूस्त होने के दावे भले ही किए जाते हैं, लेकिन हकीकत तो यह है कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के बीमार होने पर भगवान ही उनका मालिक होता है। इस सम्बधं में ग्राम के सरपंच व ग्रामीणजनों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि श्यामपुर क्षेत्र के बमूलिया दोराहा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आने वाले ग्राम गोपालपुरा, बमूलिया दोराहा, पडिय़ाला, हिनोती, बुरी, भोजाखेड़ी आदि ग्राम के सरपंच व ग्रामीणजनों ने इन गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर कुछ नहीं है। बीमार होने पर ग्रामीणों को सीहोर और भोपाल जाने के लिए 50 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। इस बीच कई बार हालत गंभीर होने पर बीमार व्यक्ति रास्ते में ही दम तोड़ देता है। यहाँ तक की बुजुर्गों का बीपी शुगर चैक करने वाला भी कोई नही है। महिलाओं की डिलेवरी भी भोपाल-सीहोर में कराना पड़ रही है।

बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर ग्रामीण आवाज तो उठाते हैं, लेकिन उनकी मांगों पर शासन प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। ग्राम पंचायत बमूलिया दोराहा, ग्राम पंचायत पडिय़ाला, ग्राम पंचायत बर्री के सरंपच, सचिव सहित अनेक ग्रामीणों ने एक बार फिर आवाज को वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाने कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह सहित उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल, प्रमुख सचिव, मिशन संचालक प्रियंका दास सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन के माध्यम से बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने मांग की है। उन्होंने बताया कि श्यामपुर के ग्राम गोपालपुरा, ग्राम बमूलिया दौराहा, ग्राम पडियाला, ग्राम हिनोती, ग्राम बुरी, ग्राम भोजाखेड़ी आदि 06 ग्रामों की आबादी छह हजार से अधिक है। इन छह गांवों के लिए बमूलिया दोराहा में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र है, लेकिन यहाँ डॉक्टरों को तैनात करना दूर की बात रही। एक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) तक सालों से पदस्थ नहीं हो सका है, जो प्राथमिक उपचार ग्रामीणों को दे सके। आवेदन में कहा कि ग्रामीणों के थोड़ा भी बीमार होने पर सीहोर, भोपाल या श्यामपुर जाना पड़ता है। इन गांवों से सीहोर और भोपाल की दूरी 50 किलोमीटर है। वहीं श्यामपुर करीब 15 किलोमीटर दूर पड़ता है। ऐसी स्थिति में बीमार व्यक्ति के सीहोर, भोपाल या श्यामपुर तक लाने में रास्ते में ही मौत हो जाती है।

ज्ञापन में इन छह गांवों के लिए बमूलिया दोराहा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) पदस्थ करने की मांग की है। ताकि बीमार ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य मिल सके। वहीं गंभीर बीमार होने पर उन्हें सीहोर या भोपाल इलाज के लिए समय पर पहुंच सकें।

ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से ग्राम बमुलिया दोहरा के नारायण सिंह, विजय सिंह अहिरवार, केदार सिंह मेवाड़ा, कमर सिंह, नितिन अहिरवार, पन्नालाल कृष्णा बाई एवं ग्राम हिनौती से बलवीर सिंह, राहुल, दीपक सिंह, रचना बाई, प्रीति बाई, ग्राम बर्री से भगवान सिंह, प्रकाश, कालूराम, महेंद्र, गुलाब बाई, पूजा बाई, ग्राम पटियाला से विक्रम सिंह, राधेश्याम, दिनेश, हेमलता वर्मा, राधा बंशकार, छोटी बाई, राधेश्याम सहित अलग-अलग गांव के सरपंच एवं सचि व ग्रामीण महिला पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बसपा ने किया आज भारत बंद का आव्हान रैली निकालकर सौंपा जायेगा ज्ञापन

नोबल एक्सप्रेस,सीहोर

बहुजन समाज पार्टी के सीहोर जिला अध्यक्ष संजीव बौद्ध ने बताया कि दिनांक 01 अगस्त 2024 को सुप्रीम कोर्ट के द्वारा एससी/एसटी के आरक्षण में वर्गीकरण का आदेश दिया गया है। उसके विरोध में आज दिनांक 21 अगस्त 2024 को भारत के सभी अनुसूचित जाति एवं जनजाति के संगठनों द्वारा भारत बंद का अव्हान किया गया है। उक्त बंद में बहुजन समाज पार्टी का भी समर्थन हैं। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा स्पष्ट निर्देश दिये गऐ हैं कि बहुजन समाज पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को शांतिपूर्ण रूप से अनुसाशन में रहकर रैली निकाल कर ज्ञापन सौपा जावेगा। यह निर्देश सभी कार्यकताओं को दिए गए हैं एवं बहुजन समाज पार्टी सभी व्यापारी बन्धुओं एवं सीहोर जिले के गणमान्य नागरिकों से अपील करती हैं कि शान्तिपूर्ण बंद में अपना समर्थन देकर सहयोग प्रदान करें।

आर्य समाज द्वारा श्रावणी पर्व एवं हैदराबाद दिवस मनाया गया

सीहोर। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्रावणी पर्व एवं हैदराबाद दिवस सोमवार, 19 अगस्त 2024 को आर्य समाज मंदिर गंज सीहोर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसके अन्तर्गत ब्रह्म यज्ञ, देव यज्ञ, श्रावणी विशेष यज्ञ एवं सभी उपस्थित आर्यजनों के यज्ञोपवीत बदल कर नवीन यज्ञोपवीत धारण कराये गये सभी कार्यक्रम पुरोहित धर्मेन्द्र शास्त्री द्वार सम्पन्न कराये गये। तत्पश्चात श्रावणी पर्व के महत्व पर आर्य समाज के मंत्री आर्य रितेश राठौर द्वारा प्रकाश डाला गया। साथ ही सन 1938 में देश की आर्य समाजों द्वारा हिन्दुओं की धार्मिक आजादी हेतु हैदराबाद निजाम के विरूद्ध किये गये आन्दोलन के शहिदों का स्मरण कर श्रद्धांजलि दी गई। हैदराबाद आन्दोलन में आर्य समाज सीहोर से स्व. हरीकृष्ण सिंह मंत्री जी, स्व.विष्णु दत्त मिश्र, लाल चन्द राठौर तथा सुखलाल शर्मा सम्मिलित हुए थे। उक्त कार्यक्रम में आर्य नरेश चन्द्र राठैर, आर्य रितेश राठौर, आर्य तरूण कुमार जगवानी, बाबूसिंह आर्य, रामदयाल राठौर, मास्टर बाबूलाल राठौर, राजीव आर्य, देवेन्द्र राठौर, आर्यमन राठौर, आदि आर्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम शान्ति पाठ व प्रसाद वितरण के पश्चात सम्पन्न हुआ।

पेरेंटिंग कोच और गेट सेट पेरेंट की फाउंडर डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी के साथ प्रसिद्ध मोटिवेशन स्पीकर जया किशोरी का विशेष इंटरेक्शन सत्र का रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में हुआ आयोजन

ऐसे काम को करियर बनाओ जिससे खुद को प्यार हो और दूसरों के लिए मददगार हो तब सफलता अपने आप मिलेगी : जया किशोरी

नोबल एक्सप्रेस,भोपाल

भोपाल। मुझे लगता है मैं हमेशा ही वेकेशन पर हूं। मेरा स्ट्रगल, स्ट्रगल नहीं लगता क्योंकि मुझे काम से बहुत प्यार है। ऐसा काम जिससे आपको प्यार है और वो लोगों की मदद भी कर रहा है। ये दोनों चीज का मिलना बहुत मुश्किल से होता है। और जब ये मेरे काम में हुआ तब मैंने तय कर लिया कि जिंदगी भर यही काम करना है। शायद यही कारण भी रहा कि मुझे सफलता मिल पाई। ऐसे में मेरा मानना है सभी स्टूडेंट्स को भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। और इस बात से बिल्कुल परेशान नहीं होना चाहिए अगर आज उन्हें अपना पसंद का काम नहीं भी पता हो। यह बात कही मंगलवार को प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर जया किशोरी ने। वे रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में

आयोजित स्पेशल सत्र में छात्रों को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान सत्र का मॉडरेशन पेरेंटिंग कोच एवं गेट सेट पेरेंट की फाउंडर डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी ने किया। कार्यक्रम में इस दौरान आरएनटीयू की प्रो. चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स एवं बडी संख्या में विश्वविद्यालय की फैकल्टी एवं छात्र मौजूद रहे। डॉ. पल्लवी चतुर्वेदी द्वारा करियर पर पूछे गए सवाल के जवाब पर बात करते हुए जया किशोरी ने आगे कहा कि अपने लिए करियर या कार्य को चुनते समय उसके फायदे और नुकसान के बारे में जरूर विचार करें। यदि किसी कार्य के नकारात्मक पहलुओं के साथ भी आप उस कार्य को करने में सहज हो तो उसे अपना करियर बनाने का सोचना चाहिए। सिर्फ अधिक पैसे के लालच में किसी कार्य या करियर को न चुनें।

सोशल मीडिया रियल वर्ल्ड नहीं है...

सोशल मीडिया पर बात करते हुए जया किशोरी ने कहा कि सोशल मीडिया रीयल वर्ल्ड नहीं है क्योंकि यहां सब अपना अच्छा पहलू ही दिखाने की कोशिश करते हैं। सोशल मीडिया पर कोई भी बुरी फोटो, नकारात्मक पहलू नहीं दिखाता। ऐसे में सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार से अधिक निर्भर नहीं होना चाहिए, न ही सोशल मीडिया देखकर उससे इंफ्लूएंस न हों।

अपनी खुशियों को चीजों से न बांधे...

卐बिना खुशी गवाएं कैसे अपने गोल और एम्बीशन को पूरा करें卐 के सवाल पर जवाब देते हुए जया किशोरी ने कहा कि खुशियों को चीजों से बांधेंगे तो कभी खुश नहीं रह पाएंगे। खुशी सिर्फ आप पैदा कर सकते हैं वह किसी बाहरी वस्तु से नहीं मिल सकती। बाहरी वस्तुओं से केवल कंफर्ट मिल सकता है। यही बात पैसों पर भी लागू होती है इसलिए अपने कंफर्ट के लिए खूब मेहनत करें और खूब पैसे कमाएं, परंतु खुशी अपने भीतर स्वयं लाएं।

पेरेंट्स का समझाने का तरीका गलत हो सकता है परंतु इंटेशन हमेशा सही होता है...

जेनरेशन गैप से जुड़े एक सवाल के जवाब में बात करते हुए जया किशोरी ने कहा कि आज अक्सर बच्च अपने पैरेंट्स से कई बातों पर सहमत नहीं होते हैं। यह लड़ाई का कारण भी बनता है। पर यहां बच्चों को यह समझने की जरूरत है कि पैरेंट्स भी गलत हो सकते हैं और वे एक इंसान है। शायद उनका समझाने का तरीका गलत हो सकता है परंतु उनका इंटेशन कभी गलत नहीं होता है।

लेटरल भर्ती का विरोध देख सरकार ने पीछे खींचे कदम

सनत जैन

केंद्र सरकार द्वारा यूपीएससी के पदों पर बिना आरक्षण लैटरल भर्ती 2018 के बाद से लगातार किए जा रही है, लेकिन इस मामले ने 2024 में तूल पकड़ लिया है। 2018 से लेकर अभी तक केंद्र सरकार विभिन्न मंत्रालयों में विशेषज्ञों के नाम पर लैटरल भर्ती समूह में करती चली आ रही है। इस बार केंद्र सरकार द्वारा 45 पदों के लिए विज्ञापन प्रकाशित कराया गया। पिछले 6 वर्षों में लगभग 200 पदों पर नियुक्तियां हो चुकी हैं। उसके बाद से आरक्षण मुद्दे पर पूरे देश में बवाल मचा हुआ है। मोदी सरकार द्वारा 2018 के बाद से लैटरल नियुक्तियां समूह में की जा रही हैं। अभी तक यूपीएससी परीक्षा के माध्यम से इनका चयन होता था। 15-20 वर्ष की सेवा के पश्चात, चयनित अधिकारी उप सचिव, संयुक्त सचिव और सचिव पद पर पहुंचते थे। अब सीधे ही भर्ती विभिन्न मंत्रालयों में उपसचिव, संचालक और संयुक्त सचिव के रूप में की जा रही है। एक तरह से यह नियमों का दुरुपयोग है। संवैधानिक प्रावधानों का पालन भी सरकार नहीं कर रही है। जिसके कारण यह मामला अब तूल पकड़ रहा है। एनडीए के सहयोगी दलों ने भी इस तरह से की जा रही नियुक्तियों का विरोध शुरू कर दिया है। जनता दल यू ने इस तरह की भर्ती पर गंभीर चिंता जताई है। वहीं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी स्पष्ट रूप से चेतावनी देते हुए कहा है कि इस तरह की नियुक्तियों में आरक्षण का पालन किया जाना चाहिए। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने भी इसे संविधान विरोधी बताते हुए आरक्षण खत्म करने की मांग की है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है, सरकार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की विचारधारा से जुड़े हुए लोगों को प्रमुख पदों पर सीधे नियुक्त कर रही है। इस तरह की नियुक्तियों से दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के हितों का नुकसान हो रहा है। संविधान में जिस तरह से कार्यपालिका में अधिकारियों का चयन किया जाना है, उसका पालन भी सरकार नहीं कर रही है। सरकार में पूंजीपतियों का सीधा हस्तक्षेप बढ़ रहा है। लैटरल नियुक्तियों में उन लोगों की भर्ती हो रही है, जो कारपोरेट जगत से हैं। वे सीधे सरकारी सेवा के महत्वपूर्ण पदों पर आ रहे हैं। इनकी नियुक्ति विशिष्ट तरीके से की जा रही है। कांटेक्ट पर नियुक्ति होने के कारण यह कभी भी छोड़ कर जा सकते हैं। इन पर जिम्मेदारी भी तय नहीं की जा सकती है। सेबी में माधवी बुच को पहले डायरेक्टर और फिर अध्यक्ष बनाने का मामला भी विवादों में आ गया है। जो खुलासे हुए हैं, वह बड़े आश्चर्यचकित करने वाले हैं। सरकार के ऊपर यह आरोप लग रहा है कि औद्योगिक समूहों के अधिकारियों को पिछले दरवाजे से सरकारी पदों पर नियुक्ति की जा रही है। यह अधिकारी औद्योगिक समूह के हित में नीतियां बनाते हैं। संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन हो रहा है। सरकार ज़ब किसी निर्णय में फंसने लगती है तो इस स्थिति में सरकार कांग्रेस के ऊपर ठीकरा फोड़कर बचने का रास्ता बनाती है। सरकार की ओर से यही प्रयास किया गया है। इस तरह की नियुक्तियां 50 वर्षों से हो रही हैं। 1976 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को लैटरल एंट्री के माध्यम से वित्त सचिव बनाया गया था। राजीव गांधी की सरकार ने सेम पित्रोदा को नॉलेज कमीशन का अध्यक्ष बनाया था। विमल जालान को मुख्य आर्थिक सलाहकार रिजर्व बैंक बनाया गया था। 2009 में कौशिक बसु को केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार के पद पर नियुक्त किया गया था।

रघुराम राजन को भी वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया था। मोंटेक सिंह अहलुवालिया 2004 से 2014 तक योजना आयोग के उपाध्यक्ष पद पर रहे। 2009 में नंदन नीलकेणी को भी यूआइडीएआइ का मुखिया बनाया गया था। पिछले 50 वर्षों में केंद्र सरकार में विशेषज्ञ के रूप में जिन लोगों की नियुक्ति हुई थी, उनकी संख्या वर्तमान की तुलना में बहुत कम है। वित्त और तकनीकी के जानकार उस समय देश में बहुत कम विशेषज्ञ थे। जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जानकारी और विशेषज्ञता रखते थे।

नोबल विचार

अंधी और बहरी सरकारें

● डॉ आर के पालीवाल

आजकल सरकार और सरकारी उड़नखटौलों और रथों में बैठे मंत्री और उसमें बैठे अधिकांश बड़े

नौकरशाहों ने मिलकर एक ऐसा संगठित गिरोह सा बना लिया है जिसके आसपास जाना तो दूर अपनी समस्या या व्यथा पहुंचाना आम आदमी के लिए असंभव है। जब शासन के ऊंचे शिखरों तक जनता की पहुंच ही नहीं है तब उसके छोटे छोटे काम संपन्न कराने के लिए दलालों का भ्रष्टाचार पथ ही एकमात्र विकल्प बचता है। पंचायत में बैठे पटवारी,थाने, पुलिस चौकी से लेकर हर विभाग के निचले स्तर के अधिकारी और कर्मचारी जानते हैं कि उनके जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से लेकर चीफ सेक्रेटरी और डी जी पुलिस तक के उच्च अधिकारियों का अधिकांश वक्त राजनीतिक आकाओं की इच्छापूर्ति और जी हुजूरी में ही बीतता है,इसीलिए उन्हें ऊपर शिकायत होने का कोई डर नहीं है। इधर निम्न श्रेणी के बहुतेरे अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी अपने इलाके के मंत्री, सांसद और विधायक का संरक्षण हासिल कर लिया जिससे न किसी की शिकायत पर उनका तबादला हो सकता और न उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही संभव है। इसी सब के चलते जो बेहद असंवेदनशील वातावरण तैयार हुआ है उसी ने सरकार और शासन को अंधे बहरे की नकारात्मक उपाधि दी है।

शासन के उच्च अधिकारियों का व्यवहार भी नेताओं की अत्यधिक संगत में रहकर एक तरफा हो गया। वे भी जूनियर अधिकारियों की बैठक लेते वक्त केवल और केवल बोलते हैं नीचे वालों की फीडबैक और परेशानियां नहीं सुनते। बोलने के लिए शासन के शिखर पर सवार मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों के कई कई मुंह हैं, मसलन उनका एक मुंह वह है जिससे वे कहीं न कहीं भाषण देते रहते हैं या अपने मातहदों को आदेश देते हैं, एक मुंह ट्विटर (जिसका नया नाम एक्स हो गया) है जिस पर वे घड़ी घड़ी विकास की फुलझड़ी छोड़ते रहते हैं, एक मुंह फेसबुक अकाउंट और विभागीय वेबसाइट है और एक मुंह मीडिया को जारी किए जाने वाले विज्ञापन हैं जिनमें जमकर बड़े बड़े झूठ आकर्षक बनाकर परोसे जाते हैं। आप इन्हें किसी भी वक्त फोन कीजिए, इनके व्हाट्स ऐप नंबर पर मैसेज कीजिए, मेल भेजिए या चिट्ठी लिखिए या बारी बारी संवाद के यह सब साधन अपनाकर देख लीजिए वे आपके पत्र, मेल या मैसेज पर कोई संतोषजनक कार्यवाही तो दूर उसकी प्राप्ति की स्वीकृति तक नहीं देते।

मंत्रियों और उच्च अधिकारियों का फील्ड में उतरकर जनता की समस्याओं का देखना तो पूरी तरह बंद ही हो गया। जिन मंत्रियों को जिले की जिम्मेदारी दी जाती है वे जब तब सरकारी दौरे पर आते हैं और सर्किट हाउस के बंद कमरों में अपने चेले चपाटों से मिलकर कब निकल जाते हैं इसका पता अगले दिन के अखबार से मिलता है। मुख्यमंत्री और मंत्री राजधानी के बाहर निकलते हैं तो अपने परिचितों और रिश्तेदारों के निजी कार्यक्रमों में ज्यादा समय देते हैं जनता की समस्याओं पर नहीं के बराबर। लोकतंत्र विकृत होते होते राजशाही की तरह दो ध्रुवीय हो गया। जन प्रतिनिधि राजा और वजीर बन गए और प्रजा गुलाम बन गई। नौकरशाही का काम राजा और उनके वजीरों की बादशाहत बरकरार रखना और प्रजा को डरा धमकाकर भेड़ बकरी की तरह आज्ञाकारी बनाना हो गया।

आजादी के अठहत्तर साल से केवल दो बार आधी अधूरी बदलाव की लहर उठी है लेकिन दोनों बार यह लहर ज्वार में नहीं बदल पाई। आपातकाल के बाद लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में तत्कालीन केंद्र सरकार की तानाशाही के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन खड़ा हुआ था। इस अहिंसक आंदोलन के पीछे जय प्रकाश नारायण के विराट व्यक्तित्व और जनता में उनके प्रति विश्वास का भाव था क्योंकि उन्होने न केवल आजादी के आंदोलन में सक्रिय भागीदारी की थी अपितु विनोबा भावे के साथ मिलकर गांधी की सर्वोदय सेवा परंपरा को आगे बढ़ाया था। दूसरा छोटा आंदोलन अन्ना हजारे के नेतृत्व में हुआ था लेकिन वह दिल्ली तक सीमित रहा। उम्मीद की जानी चाहिए कि निकट भविष्य में कोई बड़ा जन आंदोलन हो जिससे अंधी बहरी सरकारों का अंधा और बहरापन हमेशा के लिए दूर हो।

कोलकाता: बलात्कार की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक

● मुस्ताअली बोहरा

ये कैसी विडम्बना है कि जहां एक तरफ लाल किले की प्राचीर से देश में न्यायिक सुधार, 2047 में विकसित भारत और महिलाओं के खिलाफ अपराध में सजा की बात की जा रही थी तो दूसरी तरफ देश की बेटियां न्याय की मांग करते हुए आंदोलन कर रहीं थी। जश्न-ए-आजादी के बीच महिलाओं का ये आंदोलन कई सवाल खड़े कर रहा है कि आखिर कब तक इसी तरह बलात्कार होते रहेंगे, कब तक ऐसे दरिंदे खुलेआम घूमते रहेंगे, कब तक महिला सुरक्षा को लेकर जबानी जमा खर्च होता रहेगा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में लेडी डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी ने हर किसी झकझोर दिया है। इसको लेकर देश भर गुस्सा है। विपक्ष से लेकर सेलिब्रिटीज़, राजनेता और आम आदमी हर किसी के जहन में यही सवाल है कि आखिर आजादी के इतने बरसों बाद भी महिलाएं सुरक्षित और आजाद क्यों नहीं हैं। कोलकाता के रेप-मर्डर मामले की जांच अब सीबीआई के हाथों में है।

आपराधिक आंकड़ों पर गौर किया जाए तो पता चलता है कि देश में बलात्कार चैथा सबसे आम अपराध है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2019 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार देश भर में 32033 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए थे या ये भी कहा जा सकता है कि हर रोज औसतन 88 मामले दर्ज हुए। इसके अलावा नाबालिगों के साथ उत्पीड़न और बलात्कार की घटनाएं भी सामने आतीं रहतीं हैं। ब्यूरो की इन आंकड़ों से जाहिर है बलात्कार की घटनाएं कम नहीं हुईं हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों में भी बलात्कार की घटनाओं के आंकड़े चिंताजनक हैं। खैर, कोलकाता की घटना के बाद एक फिर डॉक्टर आंदोलित हैं और हड़ताल पर चले गए हैं। इन डॉक्टरो को देश के अन्य राज्यों के डॉक्टरो का भी समर्थन मिल रहा है। कोलकाता में डॉक्टरों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हो रहीं हैं। डॉक्टरो का कहना है कि उन्हें माकूल सुरक्षा उपलब्ध करवाई जाए। सभी अस्पतालों में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। मृतक डॉक्टर के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और इस मामले में जल्द से जल्द न्याय हो। हड़ताली डॉक्टरों की एक प्रमुख मांग यह है कि हेल्थकेयर वर्कर्स की सुरक्षा के लिए देश में एक नया केंद्रीय कानून या सेंट्रल हेल्थकेयर प्रोटेक्शन एक्ट बनाया जाए। साथ ही इस घटना की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी सख्त कदम उठाए जाने की बात कही है। देश भर के डॉक्टर कोलकाता के डॉक्टरों के साथ एकजुटता दिखा रहे हैं। डॉक्टरो की चिंता बेवजह नहीं है। हालांकि, जहां तक केंद्रीय कानून की मांग है तो पहले ये देखना होगा कि क्या बलात्कार की इस तरह की घटनाओं के पीछे कानून का कमजोर होना है या फिर किसी कड़े कानून की कमी इसकी वजह है। वैसे, ज्यादातर राज्यों में मेडिकेयर सर्विस पर्संस एंड मेडिकेयर सर्विस इंस्टिट्यूशंस (प्रिवेंशन ऑफ वॉयलेंस एंड डैमेज-लॉस टु प्रॉपर्टी) एक्ट पहले से ही लागू है। मगर इन राज्यों में भी इसके तहत दर्ज मामलों में दस फीसदी ही आरोप तय होने के बाद अदालत पहुंच सके। तो ये माना जा सकता है कि असल समस्या कानून की कमी नहीं बल्कि उस पर सख्ती से अमल है। बहरहाल, अस्पताल में लेडी डॉक्टर ही नहीं बल्कि पुरूष डॉक्टर, नर्सिंग स्टॉफ और दिगर स्वास्थ्य कर्मी भी हमलों का शिकार होते रहते हैं। बात सिर्फ यहीं तक नहीं हैं अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा भी बड़ा मसला है। अस्पतालों में भर्ती महिला मरीजों भी यौन हमलों की खबरें आतीं रहतीं हैं। देश में शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों को लेकर व्यापक जरूरी कदम उठाए जाने की जरूरत है। मंहगी शिक्षा और मंहगी दवाएं तथा अस्पतालों में इलाज और जांच के नाम पर होने वाला खर्च भी चर्चा का विषय है। कतिपय अस्पतालों में मेडिसिन और सर्जिकल आइटम की सप्लाई के गोरखधंधे, कमीशनखोरी, और इससे जुड़े रैकेट के सक्रिय होने की बात तो सब जानते हैं लेकिन कोलकाता के इस मामले में सेक्स रैकेट और ड्रग्स का एंगल भी सामने आया है। बहरहाल, सीबीआई जांच के बाद और भी चैकाने वाले खुलासे हो सकते हैं लेकिन इस मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। डॉक्टरो पर हमलों के साथ ही मरीजों पर भी वित्तीय हमलों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाया जाना जरूरी है।

बायोपिक सिनेमा से देशभक्ति

राकेश कुमार वर्मा

देशभक्ति, मानवीयता और महत्वकांक्षा मानवीय वृत्तियों का पोषक रहा है, जिनमें मूलतः दृष्टि का अंतर है। दृष्टि का क्षेत्र व्यापक किन्तु अंतनिर्हित सृष्टि को संजोए हुए है चाहे वह नृत्य, संगीत, चित्र, कला या सिनेमा जैसी किसी भी विधा की अभिव्यक्ति हो। विदुर नीति के एक श्लोक में कहा गया है कि किसी वस्तु या घटना को गौ गंध से (ग्राह्य-योग्य की पहचान), ब्राह्मण वेदों से, राजा जासूसों से तथा साधारण जन ऑंखों से देखते हैं। गांधी, बिनोबा, जैसे नायक देशभक्ति को जहां विश्वबंधुत्व के मूल्यों से जोड़ते थे वहीं अन्य क्रांतिकारी स्वतंत्रता प्राप्ति में कर्तव्यनिष्ठित बलिदान से। इनसे भिन्न नेहरू, जिन्ना जैसा एक समूह महत्वकांक्षा से स्वयं को जोड़ता था जिसके दुष्परिणाम हमारे समक्ष है।

साहित्य से प्रेरणा को सिनेमा में लाने का श्रेय व्यक्तिगत तौर पर चैपलिन को देता हूँ जो वर्ष 1915 में हुए प्रथम विश्व युद्ध से पीड़ित विश्व को हास्य और राहत का उपहार देने सहित महामंदी और हिटलर की यंत्रणा से विश्व का स्नेहलेप करते रहे। साल 1942 में कार्नेगी हॉल में युद्ध जीतने के लिए कलाकारों के मोर्चे पर दिए गए भाषण में चैपलिन ने कहा, मैं नागरिक नहीं हूँ, मुझे नागरिकता के कागजात की ज़रूरत नहीं है, और मेरे मन में कभी भी किसी देश के लिए उस तरह की देशभक्ति नहीं रही है, लेकिन मैं पूरी मानवता के लिए देशभक्त हूँ। मैं दुनिया का नागरिक हूँ। उल्लेखनीय है कि चार्ल्स स्पेन्सर चैप्लिन (16 अप्रैल 1889 - 25 दिसम्बर 1977) एक अंग्रेजी हास्य अभिनेता और फिल्म निर्देशक थे। चैप्लिन, सबसे प्रसिद्ध कलाकारों में से एक होने के अलावा अमेरिकी सिनेमा के क्लासिकल हॉलीवुड युग के प्रारंभिक से मध्य तक एक महत्वपूर्ण फिल्म निर्माता, संगीतकार और संगीतज्ञ थे।

अपनी कविता 'स्विंग लिटिल गर्ल' में उन्होंने दुनिया को संकेत दिया कि इन्द्रधनुष को कभी संकीर्ण वृत्ति के साथ महसूस नहीं किया जा सकता इसके लिए जीवंत काया में ही अवस्थित आकाशरूपी विशुद्ध चक्र में व्याप्त बीजमंत्र 'हम' का अनुगमन करना होगा। कविता का मूल पद इस प्रकार है स्विंग हाई टु स्काय, एण्ड डोण्ट इवर लुक एट द ग्राउण्ड, इफ यू आर लुकिंग फॉर रैनबोस।

चैपलिन का प्रभाव भारतीय सिनेमा में राजकपूर के अलावा कार्टूनिस्टों में झलकती है। मानवीय मूल्यों से प्रभावित बिमल राय, महबूब खान, वी शांतराम, मोनी भट्टाचार्जी , रिचर्ड एटनबरो, आशुतोष गोवारिकर, गुरूदत्त, मनोज कुमार जैसे निर्देशकों की देशभक्ति फिल्मों के साथ ही वर्तमान में केंद्रीय चरित्र पर केंद्रित जीवनी फिल्म(बायोपिक) का श्रृंखलाबद्ध युग शुरू हो गया। इसमें अधिकतर फिल्में बायोपिक की बजाय हैजियोग्राफी (स्तुति गान) की शिकार हुई जिससे एक ओर राजनीति समृद्ध हुई वहीं देश के अमृतकाल में सैम बहादुर, द लीजेण्ड आफ भगतसिंह, पान सिंह तोमर, मैरी कॉम, एम एस धोनी और माझी जैसे गुमनाम नायकों को गौरान्वित किया। हिंदी सिनेमा में बायोपिक एक बड़ी चुनौती रहा है।

नर या नारायण कौन थे राम

श्रीराम पूर्णतः ईश्वर हैं। भगवान हैं। साथ ही पूर्ण मानव भी हैं। उनके लीला चरित्र में जहां एक ओर ईश्वरत्व का वैचित्रमय लीला विन्यास है, वहीं दूसरी ओर मानवता का प्रकाश भी है।

विश्वव्यापिनी विशाल यशकीर्ति के साथ सम्यक निरभिमानिता है। वज्रवत न्याय कठोरता के साथ पुष्यवत प्रेमकोमलता है। अनंत कर्ममय जीवन के साथ संपूर्ण वैराग्य और उपरति है। समस्त निषमताओं के साथ नित्य सहज समता है। अनंत वीरता के साथ मनमोहक नित्य सौंदर्य है। इस प्रकार असंख्य परस्पर विरोधी गुणों और भावों का समन्वय है। भगवान श्री राम की लीला चरित्रों का श्रद्धा भक्ति के साथ चिंतन, अध्ययन व विचार करने पर साधारण नर नारी भी सर्वगुण समन्वित एवं सर्वगुण रहित अखिल विश्व व्यापी, सर्वातीत, सर्वमय श्रीराम को अपने निकटस्थ अनुभव कर सकते हैं। श्री राम में नर और नारायण तथा मानव और ईश्वर की दूरी मिटाकर भगवान के नित्य परिपूर्ण स्वरूप का परिचय मिलता है। भगवान पुरुषोत्तम ने श्री राम के रूप में प्रकट होकर मानवीय रूप में सांसारिक लोगों के दिलो दिमाग पर नित्य प्रभुत्व की प्रतिष्ठा कर समस्त भारतीय संस्कृति को आध्यात्म भाव से ओतप्रोत कर दिया है। रामचरितमानस महाकवि तुलसीदास की अमर कृति है। यह एक ऐसा सर्वोपयोगी आदर्श प्रदर्शित करने वाला पवित्र धर्मग्रंथ है। जिसने मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्रीराम को समस्त नर नारियों के हृदय में परम देवत्व रूप के साथ अत्यंत आत्मीय रूप में प्रतिष्ठात किया है। इसने शिक्षित अशिक्षित ? आबाल वृद्ध शास्त्र पुरुष सभी प्रकार के जीवन को श्रीराम के प्रति भक्ति तथा प्रेम के दिव्य, मधुर सुधारस से अभिषिक्त कर अपना अद्भुत प्रभाव विस्तार किया है।

नौकरशाही का पिछवाड़ा यानि लेटरल एंट्री

राकेश अचल

देश में आजकल लेटरल एन्ट्री विवाद का मुद्दा है। ये मुद्दा बंगाल के बलात्कार काण्ड पर भी भारी पड़ गया है।लेटरल एन्ट्री यानि किसी भी सिस्टम में पिछवाड़े से प्रवेश करना कहा जाता है। ये सिस्टम उतना ही पुराना है जितनी मानव सभ्यता। आप यदि थोड़ा सा अन्वेषण करेंगे तो आपको इस पिछवाड़ा प्रवेश के तमाम उदाहरण मिल जाएंगे। लेटरल एन्ट्री एक सुरक्षित उपक्रम है। हमारे यहां घरों से लेकर क़ानून और सियासत में एक न एक लेटरल एन्ट्री गेट होता ही है। और होना भी चाहिए।

घरों में लेटरल एन्ट्री आपातकाल के लिए बनाई जाती है। क़ानून में लेटरल एन्ट्री की व्यवस्था बचाव के लिए की गयी है और राजनीति में लेटरल ऐंट्री उन लोगों के लिए की गयी है जो या तो चुनाव नहीं लड़ सकते या फिर हार जाते है। हमारी संसद का उच्च सदन जिसे आप राज्य सभा के रूप में जानते हैं लेटरल एन्ट्री के जरिये ही सजाया जाता है। लेटरल एन्ट्री आखिर लेटरल ऐंन्ट्री है। उस पर सियासत होना भी चाहिए या नहीं ,ये विवाद का एक नया विषय हो सकता है ?

ताजा विवाद केंद्र सरकार द्वारा लेटरल एंट्री के जरिये 45 विशेषज्ञों की विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव जैसे प्रमुख पदों पर नियुक्ति करने की घोषणा के बाद शुरू हुआ है। संघ लोक सेवा आयोग की सेवाओं में लेटरल एंट्री को लेकर सियासी सरगर्मी शुरू हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लेटरल एंट्री के माध्यम से भर्ती को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। खड़गे ने दावा किया कि यह आरक्षण छीनकर संविधान को बदलने का 'भाजपाई चक्रव्यूह' है। इससे पहले भी कांग्रेस ने इस मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधा था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इससे आरक्षण खत्म हो जाएगा।

राज्य सभा में लेटरल एन्ट्री का विरोध इसलिए नहीं होता क्योंकि सभी राजनीतिक दल इसका लाभ उठाते हैं लेकिन नौकरशाही में लेटरल एन्ट्री पर हंगामा स्वाभाविक है। इसके जरिये सरकार अपनी पसंद के लोगों को महत्पूर्ण पदों पर विशेषज्ञ बनाकर बैठाती है। ये एक तरह का उपकार भी है और औजार भी। ब्यूरोक्रेसी में लेटरल एंट्री एक ऐसी प्रथा है जिसमें मध्य और वरिष्ठ स्तर के पदों को भरने के लिए पारंपरिक सरकारी सेवा संवर्गों के बाहर से व्यक्तियों की भर्ती की जाती है। नौकरशाही में लेटरल एंट्री औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था, जिसमें 2018 में रिक्तियों के पहले सेट की घोषणा की गई थी। उम्मीदवारों को आमतौर पर प्रदर्शन के आधार पर संभावित विस्तार के साथ तीन से पांच साल तक के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है। इसका उद्देश्य बाहरी विशेषज्ञता का उपयोग करके जटिल शासन और नीति कार्यान्वयन चुनौतियों का समाधान करना है।

लेटरल एन्ट्री के दुष्परिणाम हाल हमें हम बांग्लादेश में देख चुके है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सरकार में इसी तरह से सभी महत्वपूर्ण पदों पर अपनी पार्टी के लोगों को न सिर्फ बैठा दिया था बल्कि उनके लिए बाकायदा आरक्षण की व्यवस्था कर दी थी। इसी व्यवस्था के फलस्वरूप बांग्लादेश में तख्ता पलट हो गया। हमारे यहां ऐसा असम्भव है क्योंकि हम सहनशील लोग है। हम अभी तक नीट पेपर लीक काण्ड पर शिक्षा मंत्री नहीं हटा पाए,सरकार तो क्या ख़ाक हटाएंगे ? आई वाश के रूप में परीक्षाएं करने वाली संस्था के एक पदाधिकारी की बलि जरूर ले ली गयी। सत्ता पक्ष अपने फैसले के समर्थन में कांग्रेस की सरकार के समय पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह और मोंटेक सिंह आहलूवालिया की वित्त सचिव और योजना आयोग में की गयी नियुक्तियों का हवाला देती है।

दरअसल मै तो इस मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार का अहसानमंद हूँ कि सरकार लेटरल एन्ट्री के जरिये केवल पांच साल के लिए नियुक्तियां कर रही है ,अन्यथा सरकार चाहती तो उन्हें अगले 35 साल तक के लिए नियुक्त कर सकती थी ,क्योंकि बकौल अमित शाह भाजपा अभी 35 साल और सत्ता में रहने वाली है। मुझे इस बात पर भी आपत्ति है कि कांग्रेस समेत तमाम विपक्ष लेटरल एन्ट्री के मुद्दे पर सारी लड़ाई एक्स [×] पर लड़ रही है जबकि ये लड़ाई सोशल मीडिया पर नहीं, सड़क और अदालतों में लड़ी जाना चाहिए। जनता को यदि ये फैसला गलत लगता है तो जनता को अर्थात नौजवानों को ये लड़ाई अपने हाथ में लेना चाहिए ,क्योंकि राजनीतिक दल इस लड़ाई के पात्र नहीं है। वे सब एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। अगर लेटरल एन्ट्री खराब व्यवस्था है तो इसे अदालत में भी चुनौती दी जाना चाहिए ,अन्यथा तिल का ताड़ बनाने का कोई लाभ नहीं है।

मुझे क्या देश के अधिकांश लोगों को पता है कि भाजपा सरकार ने पिछले दस साल में तमाम विश्व विद्यालयों और नेशनल बुक ट्रस्ट जैसे तमाम संगठनों में संघ दक्ष लोग बैठा दिए हैं जो लगातार शिक्षा,समाज अर्थव्यवस्था और इतिहास के साथ ही विभिन्न कलाओं का संघीकरण करने में जुटे हैं। कांग्रेस और विपक्ष इन्हें रोकने में पूरी तरह नाकाम रही है ,पिछली सरकार तो भाजपा की ताकतवर सरकार थी ,ये सरकार तो बैशाखियों पर टिकीं सरकार है ,कमजोर सरकार है ,लेकिन पूरे जोर-शोर से अपने हिडन एजेंडे पर काम कर रही है। मुझे नहीं लगता कि देश का कथित रूप से ताकतवर विपक्ष बैशाखा सरकार को सिस्टम में संघियों की लेटरल एन्ट्री को रोक पायेगा।

होटल मालिक से मांगी रंगदारी इनकार करने पर बरसाए बम

तेजस्वी यादव ने कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा

हाजीपुर,। बिहार में बदमाश आए दिन हत्या, रंगदारी और उगाही की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। वहीं हाजीपुर जिले में सोमवार देर रात रंगदारी नहीं देने पर एक दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने एक होटल पर बम बरसा दिए और तोड़फोड़ कर दी जिससे वहां, मौजूद लोग इधर उधर भागते नजर आए। यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। वहीं घटना को लेकर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर हमला बोला है। हाजीपुर-मुज्जफ्फरपुर एनएच पर स्थित होटल संचालक ने बताया कि रंगदारी मांगने को लेकर स्थानीय लोगों से उसका विवाद था। इन सभी आपराधिक प्रवत्ति के हैं। ये लोग 25 लाख की रंगदारी मांग रहे थे नहीं देने पर होटल बंद करने और जान से मारने की धमकी दे रहे थे। इसी बीच सोमवार देर रात कार और मोटरसाइकिल पर सवार होकर 10 से 15 बदमाश आए और होटल पर बमबारी शुरू कर दी जिससे होटल के अंदर और बाहर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। वहीं, मामले में पुलिस का कहना है कि होटल मालिक की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर तीन लोगों को हिरासत में लिया है। इस घटना को लेकर बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार में सत्ता संरक्षित अपराधियों के हौसले इतने बुलंद है कि रंगदारी नहीं देने पर अब सीधा बमबारी करते हैं। ये डबल इंजन का डबल पावर है कि अब गोली नहीं बम चल रहे हैं। सरकार में अनियंत्रित अपराध पर बोलने को कोई तैयार नहीं है।

शिकागो में डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस वह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन एक कार्यक्रम में एकसाथ नजर आये।

संक्षिप्त समाचार

पख्तूनख्वा में थाने पर आतंकी हमला, टीआई समेत दो की मौत

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में एक पुलिस थाने पर आतंकी हमले में टीआई समेत दो पुलिसकर्मी शहीद हो गए। पुलिस ने बताया कि हथियारों से लैस आतंकवादियों ने खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के आतंकवाद प्रभावित लक्की मरवत जिले में बरगई पुलिस थाने पर रविवार देर रात हमला किया ।पुलिस के मुताबिक हमले में एक पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल टीआई ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उसने बताया कि मुठभेड़ के दौरान टीआई को कई गोलियां लगी थीं। हमले से पहले आतंकवादी पुलिस थाने के पास ही एक घर में छिपे हुए थे। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में रविवार को एक अन्य हमले में आतंकवादियों ने 'फ्रंटियर कॉन्स्टेब्युलरी' के वाहनों को निशाना बनाया, जिससे उसमें सवार दो जवान शहीद हो गए और तीन घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एयरलिफ्ट के लिए अस्पताल की छत पर बन रहा हेलीपैड

नई दिल्ली। देश में बेहतर इलाज और मरीजों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कई मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों का निर्माण चल रहा है। इस कड़ी में राजस्थान की राजधानी जयपुर में देश का सबसे बड़ा अस्पताल बनाया जा रहा है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसकी शुरुआत की थी और अब भी तक इसका काफी काम हो चुका है। अनुमान है कि इस अस्पताल को अगले साल तक जनता के लिए शुरू भी कर दिया जाएगा। यह देश का पहला ऐसा अस्पताल होगा जिसकी पहली मंजिल पर स्टेट ऑफ द आर्ट फैसिलिटी उपलब्ध कराई जाएगी।

जिताऊ उम्मीदबार को बिना सिफारिश के भी मिल जाएगा टिकट

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी अब टिकट बंटबारे को लेकर अपनी रणनीति बदलती नजर आ रही है। अब केवल किसी बड़े नेता की सिफारिश से टिकट नहीं मिलेगा। केवल जिताऊ उम्मीदवार को ही टिकट दिया जाएगा। ये बात हरियाणा-जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनावों में टिकट बंटबारे को लेकर राहुल गांधी ने छोटे-बड़े नेताओं को लेकर शर्तें साफ कर दी हैं। देश में जल्द ही होने जा रहे हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव को लेकर गहमागहमी तेज है और टिकट बंटवारे को लेकर पार्टियों में उठापटक भी। कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी में सोमवार को इससे जुड़े कई बड़े फैसले लिए। इन राज्यों में टिकटों के बंटवारे को लेकर राहुल गांधी ने सख्त रुख अपनाया है।

छात्रों की मौत को लेकर हसीना पर एक और नया मामला दर्ज

ढाका। बांग्लादेश में आरक्षण-विरोधी प्रदर्शन में हुई दो कॉलेज छात्रों की मौत को लेकर पूर्व पीएम शेख हसीना पर हत्या का एक और मामला दर्ज किया गया है ।पूर्व पीएम शेख हसीना पर दर्ज किए कई मामलों में यह नया मामला दर्ज हुआ है। वह सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली के विरुद्ध छात्रों के हिंसग प्रदर्शन के बाद पीएम पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर भारत चली गई थीं। हिंसा के दौरान ढाका के सूत्रापुर क्षेत्र में दो छात्रों की मौत को लेकर हसीना और 12 अन्य पर नए मामले दर्ज किए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोबी नजरूल सरकारी महाविद्यालय के विद्यार्थी इकराम हुसैन कावसेर और शहीद सुहरावर्दी महाविद्यालय के छात्र उमर फारूक की मौत को लेकर ढाका मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट में यह नया मामला दर्ज किया गया है।

यूक्रेनी सैनिकों ने 1,250 वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा रूसी क्षेत्र पर कर लिया है कब्ज़ा

रूस में 92 ठिकानों पर है यूक्रेन का नियंत्रण: राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की

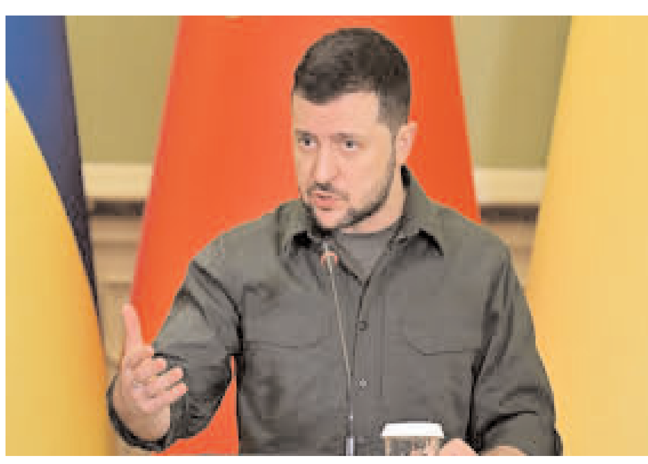

कीव । राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेनी सेना ने पश्चिमी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में 92 बस्तियों पर नियंत्रण कर लिया है। ज़ेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर कहा कि यूक्रेनी सैनिकों ने 1,250 वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा रूसी क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया है। ज़ेलेंस्की ने कहा कि हमारे देश के सुमी क्षेत्र के ठीक सामने रूसी सीमा क्षेत्र को रूस की सेना से लगभग पूरी तरह से मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना कुर्स्क क्षेत्र में कई जगहों पर अपना सैन्य अभियान जारी रखे हुए है। पिछले हफ़्ते यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार मायखाइलो पोडोल्याक ने कहा था कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन का अभियान दोनों देशों के बीच संभावित शांति वार्ता से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन रूसी क्षेत्रों पर कब्ज़ा करने में दिलचस्पी नहीं रखता। हालांकि, इसके जवाब में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि रूस की सीमा पर यूक्रेन के हमलों का उचित जवाब दिया जाएगा। रूसी सेना का पहला काम कुर्स्क क्षेत्र से यूक्रेनी सेना को हटाना है। यूक्रेन ने 6 अगस्त को कुर्स्क क्षेत्र में सैन्य अभियान शुरू किया था। 15 अगस्त को यूक्रेनी सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ अलेक्सांद्र सिरस्की ने कहा कि उनकी सेना ने इस क्षेत्र में 82 बस्तियों पर कब्जा कर लिया है। उधर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि रूस के सीमावर्ती कुर्स्क क्षेत्र पर हमले के बाद यूक्रेन के साथ बातचीत संभव नहीं है। स्थानीय मीडिया के साथ एक साक्षात्कार में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कुर्स्क क्षेत्र पर हमलों के बाद बातचीत असंभव है। इस बीच उन्होंने उन आरोपों का खंडन किया कि दोनों देशों ने किसी तीसरे देश से मध्यस्थता के लिए संपर्क किया है और इसे कोरी अफवाह बताया। लावरोव ने यह भी संकेत दिया कि स्विट्ज़रलैंड में यूक्रेन पर सम्मेलन की पूरी प्रक्रिया रूस के लिए अस्वीकार्य है क्योंकि यह ज़ेलेंस्की के फ़ॉर्मूले को बढ़ावा देने के बारे में है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों के घुसने का मकसद वहां एक 'बफर जोन' बनाना है। यह पहली बार है, जब जेलेंस्की ने कुर्स्क क्षेत्र में शुरू किए अभियान के पीछे की मंशा को जाहिर किया है।

इससे पहले उन्होंने कहा था कि अभियान का मकसद सीमावर्ती सुमी क्षेत्र में समुदायों को रूस की ओर से लगातार हो रही गोलाबारी से बचाना है। जेलेंस्की ने कहा कि कुल मिलाकर अब रक्षात्मक अभियानों में हमारी प्राथमिकता यह है जितना संभव हो, रूस की युद्ध क्षमता को खत्म करना और ज्यादा से ज्यादा जवाबी कार्रवाई करना। इसमें कुर्स्क क्षेत्र में हमारा अभियान शामिल है, जिसका उद्देश्य आक्राता के क्षेत्र में एक 'बफर जोन' बनाना है।

ट्रंप के ऐलान के बाद नई पारी शुरू कर सकते हैं एलन मस्क

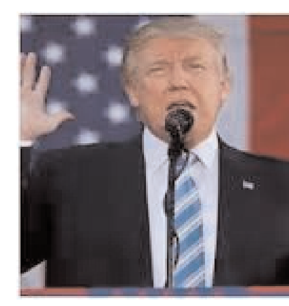

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव जीतने पर एलन मस्क को कैबिनेट पद देने या व्हाइट हाउस में सलाहकार बनाने की पेशकश कर दी है। इधर, मस्क भी नई भूमिका के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। अमेरिका में नवंबर में चुनाव होने हैं। ट्रंप का मुख्य मुकाबला डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस से है। मस्क ने विभाग के संकेत भी दे दिए हैं। मंगलवार को उन्होंने पोस्ट किया, मैं सेवाएं देने के लिए तैयार हूं। उन्होंने एक फोटो भी पोस्ट किया, जिसमें लिखा है, डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशीएंसी ।ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह मस्क के लिए एडवाइजर की भूमिका या कैबिनेट पोस्ट पर विचार करेंगे। इसपर उन्होंने कहा, वह बहुत ही स्मार्ट हैं। अगर वह ऐसा करेंगे, तो मैं निश्चित रूप से यह काम करूंगा। इसके अलावा ट्रंप ने इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर 7500 डॉलर टैक्स क्रेडिट को भी खत्म करने पर विचार करने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसपर वह अंतिम फैसला नहीं ले रहे हैं।

हैरिस की लोकप्रियता में हुआ इजाफा

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी में उत्साह और अमेरिकियों के बीच अपनी लोकप्रियता में वृद्धि के साथ डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्टीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगी। हाल में हुए एक नए सर्वेक्षण के मुताबिक, अमेरिका के लगभग आधे वयस्क (48 प्रतिशत) हैरिस के बारे में बहुत या कुछ हद तक अनुकूल दृष्टिकोण रखते हैं।

क्राउन प्रिंस सलमान ने पिता के जाली सिग्नेचर कर यमन में किया ऐलान-ए-जंग

नई दिल्ली। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस तो गजब के चालबाज निकले। उन्होंने अपने पिता का फर्जी सिग्नेचर करके यमन में हुतियों के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया था। अब इसका खुलासा खुद सऊदी अरब सरकार के पूर्व इंटेलिजेंस अधिकारी ने किया है ।सऊदी के पूर्व इंटेलिजेंस अफसर साद अल-जबरी ने दावा है कि यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ युद्ध छेड़ने वाले शाही फरमान पर क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अपने पिता के हस्ताक्षर जाली किए थे। उस वक्त क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान केवल 29 साल के थे। वह सऊदी अरब के रक्षा मंत्री के रूप में कार्य कर रहे थे। उन्होंने राजा सलमान की खराब सेहत को देखते हुए यह चाल चली थी। इसकी वजह थी गद्दी पर अपना अधिकार सुनिश्चित करना। इसके लिए ही उन्होंने सऊदी अरब को युद्ध की आग में झोंक दिया था।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मोहम्मद बिन सलमान ने यमन के हुती विद्रोहियों के खिलाफ जमीनी हमले के लिए एक शाही फरमान जारी करवाया। इसके लिए उन्होंने शाही फरमान पर पिता यानी राजा का फर्जी सिग्नेचर किया था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि व्हाइट हाउस ने सऊदी अरब के केवल हवाई हमले का ही समर्थन किया था। मगर मोहम्मद बिन सलमान ने इसे नजरअंदाज कर दिया और पिता के फर्जी सिग्नेचर से यमन में जमीनी हमले को आगे बढ़ाया।

चंपई सोरेन की बगावत के बाद बिहार में बढ़ी हलचल, नीतीश के मंत्री ने किए चौंकाने वाले दावे

पटना। झारखंड की राजनीति में पल पल बदल रहे राजनीतिक घटनाक्रम का प्रभाव बिहार में भी पड़ने की संभावना दिखने लगी जब नीतीश कुमार के करीबी बिहार के ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने बड़ा दावा कर दिया। उन्होंने कहा कि जो कुछ झारखंड में महागठबंधन की सरकार के साथ हो रहा है, उनके विधायक विद्रोह कर बीजेपी का दामन थामने की तैयारी कर रहे हैं, ऐसा ही बिहार में भी महागठबंधन के विधायकों के साथ बहुत जल्द होने वाला है। बता दें कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन दिल्ली में जमे हुए हैं। जानकारी के अनुसार वे बीजेपी नेताओं के संपर्क में हैं। वहीं, जेएमएम वेट एंड वाच की स्थिति में है और जेएमएम को चंपई सोरेन के अगले कदम का इंतजार है। लेकिन, इसका असर न सिर्फ जेएमएम पर पड़ेगा, बल्कि इसका प्रभाव झारखंड की महागठबंधन की सरकार पर भी पड़ सकता है। बल्कि, दिलचस्प ये कि अब झारखंड की राजनीतिक उठापटक की आंच बिहार की सियासत पर भी पड़ने की संभावना बढ़ गई है। कम से कम नीतीश कुमार के एक करीबी मंत्री के दावे से यही बात निकलकर आ रही है।

सेहत

सुस्ती, थकान, सिरदर्द जैसी हो सकती हैं कई समस्याएं

गलत चीजें खाने से हो सकती है आपकी नींद खराब

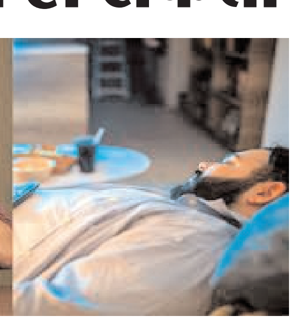

लंदन ।गहरी और पर्याप्त नींद लेना सभी के लिए जरूरी है ।सभी को 7-8 घंटे की गहरी नींद लेनी ही चाहिए ।अगर कोई पर्याप्त नींद नहीं लेता तो अगले दिन उसे सुस्ती, थकान, सिरदर्द जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। अगर किसी की ईटिंग हैबिट गलत होती है या वह गलत चीजें खाता है तो उसकी रात की नींद खराब हो सकती है। अब चाहे वह कार्ब्स कम खाना हो या फिर खाना ना खाना।

न्यूट्रिशन एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर किसी की रात की नींद खराब हो रही है तो नीचे बताई हुई चीजों पर जरूर ध्यान दें क्योंकि इन चीजों के कारण नींद खराब हो सकती है। जो लोग कुछ आधुनिक डाइट लेते हैं उन्हें अक्सर कार्बोहाइड्रेट को कम खाने या बंद करने की सलाह दी जाती है। लेकिन अगर ऐसा करते हैं रात की नींद डिस्टर्ब हो जाती है। न्यूट्रिशन एक्सपर्ट के मुताबिक, शरीर में मुख्य ऊर्जा का सोर्स कार्बोहाइड्रेट होता है। एक हेल्दी डाइट में ब्राउन पास्ता, क्विनोआ, ब्राउन राइस और होलमील ब्रेड जैसे साबुत अनाज कार्बोहाइड्रेट का सेवन करना चाहिए क्योंकि इनमें अधिक फाइबर और पोषक तत्व होते हैं। यह ब्लड शुगर को स्थिर रखते हैं और शरीर को एनर्जी भी देते हैं ।हाई फाइबर वाले खाद्य पदार्थों में सेम और दालें, फल और सब्जियां, और नट और बीज भी शामिल हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि कुछ लोग काफी अधिक मात्रा में कॉफी का सेवन करते हैं जिससे नींद डिस्टर्ब हो जाती है ।कॉफी में काफी मात्रा में कैफीन होता है इससे स्लीपिंग पैटर्न बिगड़ सकता है।

एक दिन में लगभग 400 मिलीग्राम कैफीन (4 कप कॉफी) सुरक्षित मानी जाती है ।बहुत अधिक कॉफी पीने से थकान और नींद ना आने की समस्या हो सकती है.आज कल के समय में कई लोग वजन कम करने के लिए या अन्य कारणों से आसानी से खाना-खाना छोड़ देते हैं ।लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं तो यह रात में नींद की परेशानी को बढ़ा सकता है। यदि आप अक्सर नाश्ता या दोपहर का भोजन करना छोड़ देते हैं तो इससे ब्लड शुगर कम हो जाता है और एनर्जी में कमी आ सकती है ।इसके अलावा अगर आप भूख लगने पर खाना खा रहे हैं तो यह काफी अच्छा हो सकता है ।लेकिन याद रखें भोजन में प्रोटीन और फाइबर जरूर होना चाहिए वहीं रक्त शर्करा के स्तर को सही रखने के लिए दही, फल और सब्जियां भी होनी चाहिए। एक्सपर्ट सभी को दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीने की सलाह देते हैं ।पोषण विशेषज्ञ के मुताबिक, दिन भर के कामों में हमारे शरीर को काफी पानी की जरूरत होती है ।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश-गर्मी और उमस से मिली राहत

नई दिल्ली। दिल्ली में के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश हो रही है। तीन दिन की लॉन्ग विकेंड के बाद लोगों की ऑफिस मंगलवार को खुल रही है। 15 मिनट तक मूसलाधार बारिश रही तो सड़कों पर काफी जलभराव की स्थिती पैदा हो सकती है, जिससे लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। आईटीओ के पास के आसपास वाले इलकों में काफी तेज बारिश की खबर मिली है। कई जगहों पर लोगों के फंसे होने की खबर आ रही है। गौरतलब है कि सुबह-सुबह बारिश लोगों पर आफत बनकर टूट पड़ी है। लेकिन गर्मी और उमस से लोगों को फिलहाल राहत मिल गई है।

आईटीओ के पास के आसपास वाले इलकों में काफी तेज बारिश की खबर

बारिश इतनी मूसलाधार हो रही है कनॉट प्लेस के पास मिंटो ब्रिज अंडरपास पानी में डूबा दिखा। यहां सड़कों पर लगें पुलिस बेरिकेड पानी में बहते नजर आए। वहीं, मिंटो ब्रिज से जुड़ी सभी सड़कों को बंद कर दिया गया है। साथ ही दिन दयाल रोड पर भी भारी बारिश की खबर है। आईटीओ अंडरपास में पानी भरना शुरू हो चुका है। कुछ ही पलों की बारिश में पूरी दिल्ली की सड़कें पानी से लबालब भर आईं हैं। लोगों को घर से ऑफिस जानें काफी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने बताया है कि मानसून का टर्फ दिल्ली के ऊपर ही है, इसलिए बारिश की संभावना जाताई गई थी।

एडमिशन के लिए दूसरा चरण शुरू

इंजीनियरिंग कॉलेजों की खाली सीटों पर विद्यार्थी आज से कर सकेंगे आवेदन

इंदौर। प्रदेशभर के इंजीनियरिंग कॉलेजों से संचालित बीई-बीटेक में प्रवेश को लेकर डायरेक्टोरेट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (डीटीई) की काउंसलिंग चल रही है। दूसरे चरण की काउंसलिंग रखी है, जिसमें छात्र-छात्राएं अपने पसंदीदा पाठ्यक्रम व कॉलेज के लिए आवेदन कर सकेंगे। डीटीई ने पंजीयन के लिए चार दिन का समय दिया है।24 अगस्त तक आवेदन करने की प्रक्रिया रखी है। जबकि प्रवेश फार्म में सुधार 26 अगस्त तक किए जा सकेंगे। पसंदीदा कालेजों को सूची में शामिल करने के लिए विद्यार्थियों को 27 अगस्त तक च्वाइंस फीलिंग करने का समय दिया है।

प्राप्त आवेदन के आधार पर विभाग मेरिट सूची तैयार करेगा, जो 28 अगस्त को जारी होगी। फिर विद्यार्थियों को उनके पसंदीदा कॉलेजों में मेरिट के आधार पर सीट आवंटित की जाएगी। यह सूची तीन सितंबर को आएगी। कालेज मिलते ही छात्र-छात्राओं को छह सितंबर तक फीस जमा करना होगी।

प्रदेशभर में 300 से ज्यादा इंजीनियरिंग कॉलेज संचालित होते हैं। यहां अकेले बीई पाठ्यक्रम की दो लाख और डेढ़ लाख बीटेक की सीटें हैं। पहले चरण में जेईई देने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश मिला है। जबकि दूसरे चरण से 12वीं उत्तीर्ण करने वाले छात्र-छात्राएं भी आवेदन कर सकते हैं।

इंदौर जिले में महज पांच से छह कॉलेजों में प्रवेश को लेकर विद्यार्थियों की रुचि देखी गई है, जिसमें एसजीएसआइटीएस, आइईटी, वैष्णव कॉलेज सहित दो अन्य कॉलेज शामिल हैं। इसके बाद बाकी संस्थानों में विद्यार्थी पढ़ना पसंद करते हैं।

धूप और उमस ने लोगों को गर्मी का अहसास कराया

बारिश की संभावना के बाद भी नहीं गिरा पानी, आसमान साफ होते ही निकली धूप

जबलपुर । जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों में 21 और 22 अगस्त को पूर्वी हिस्से में भारी बारिश का अनुमान है। वर्तमान में मानसून द्रोणिका मध्य प्रदेश से होकर गुजर रही है, जो दक्षिण बांग्लादेश के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र तक जा रही है। अन्य चक्रवातीय परिसंचरण भी सक्रिय है।पिछले दो दिनों से मौसम विभाग ने बारिश होने की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन नहीं हुई, उल्टे धूप और उमस ने लोगों को गर्मी का अहसास कराया। सुबह आसमान में बादलों का डेरा, लेकिन बादल साफ हो गए और सूरज ने अपनी गर्मी से लोगों को गर्मी का अहसास करया।अधिकतम आर्द्रता 90 से ऊपर पहुंच गई।मौसम विज्ञानिकों ने भी बारिश होने की संभावना बताई है। उनके मुताबिक शहर और आसपास के क्षेत्रों को भिगोने के लिए बंगाल की खाड़ी से बारिश की नई खेप आ रही है। जबलपुर सहित संभाग के जिलों में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के आसार है।

अभी बारिश करने वाली मौसमी प्रणालियां एक बार फिर मजबूती के साथ सक्रिय हो रही हैं । मंगलवार को बारिश की गतिविधियां में तेजी आएगी कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें तो कहीं हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। शाम को उमड़-घुमड़ कर कहीं-कहीं बादल बरसे भी। मंगलवार को हवा का रुख दक्षिण-पूर्वी रहा। हालांकि बादल छाए रहने की वजह से मौसम में ठंडक घुली रही। दिन का अधिकतम तापमान भी सामान्य से एक डिग्री कम होकर 32.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान में कोई गिरावट नहीं आई। रविवार को न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियसर रहा और सोमवार को भी यह तापमान रिकार्ड किया गया। अभी तक हुई बारिश औसत से आगे है। पिछले साल की तुलना में 11 मिलीमीटर अधिक बारिश हुई है।

संक्षिप्त समाचार

टोंगा तालाब टूटने के बाद जुड़ा नहीं, गांवों में भी बाढ़ के बाद जनजीवन हुआ नारकीय

मुरैना । सबलगढ़। टोंगा पंचायत का 140 साल पुराना तालाब फूटा तो लाखों लीटर पानी भरभरा कर आधा दर्जन गांवों में घुस गया। जिसकी वजह से यहां बाढ़ के हालात बन गए। एक तालाब के फूटे हुए एक सप्ताह का समय बीत गया है, लेकिन इन गांवों में जलभराव की स्थिति अभी भी बनी हुई है।जिसकी वजह से बाढ़ की वजह से अब यहां कई तरह की समस्याएं ग्रामीणों व सबलगढ़ शहर के कुछ हिस्सों में बनने लगी है। सड़कें दलदली हो गई है और खाली जगहों में आकर पानी जमा हो गया है। जिसकी वजह से बीमारियां फैलने का खतरा बन गया है। बाढ़ के बाद दी जाने वाली राहत व स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर अभी तक काम चालू नहीं हो सका है।

महिला ने कुंदी लगाने से मना किया तो पति ने कुल्हाड़ी से हमला किया, हालत गंभीर

भिंड। नयागांव थाना अंतर्गत सरसई गांव में महिला ने कुंदी लगाने से मना किया तो शराब के नशे में पति ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। महिला के सिर में चोट लगने से रात में ही स्वजन इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर आए। जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय राखी राजावत पत्नी दिलीप राजावत निवासी सरसई थाना नयागांव रात 9 बजे खाना खाकर 15 वर्षीय बेटे अमन राजावत के साथ घर के अंदर लेटी थी। रात में पति शराब के नशे में घर आया और बेटे को बाहर सोने के लिए कहा। बेटा बाहर सोने के लिए चला गया।

27 अगस्त को होगी कोलकाता दुष्कर्म मामले में जूडा की शिकायत पर सुनवाई

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने जूनियर डाक्टरों की शिकायत पर सुनवाई एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी है। पूर्व में दी गई व्यवस्था के अंतर्गत मंगलवार को सुनवाई शुरू हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोलकाता दुष्कर्म प्रकरण में संज्ञान लिए जाने के आधार पर जवाब के लिए समय चाहा गया। जूनियर डाक्टरों के वकील महेंद्र पटेरिया की यह मांग स्वीकार कर ली गई। विगत सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने जूनियर डाक्टर एसोसिएशन को अविलंब कार्य पर लौटाने का निर्देश दिया था। व्यवस्था दी थी कि शिकायतों पर 20 अगस्त को सुनवाई करेंगे।

करियर बनाने का मिलेगा नया मौका, 30 अगस्त तक करें आवेदन

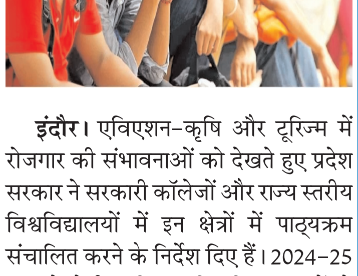

इंदौर। एविएशन-कृषि और टूरिज्म में रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए प्रदेश सरकार ने सरकारी कॉलेजों और राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों में इन क्षेत्रों में पाठ्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए हैं। 2024-25 सत्र से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में ये पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। प्रवेश को लेकर विद्यार्थियों से 30 अगस्त तक आवेदन भी मंगवाए हैं।मगर चिंता इस बात की है कि इन विषयों को पढ़ाने वाला कोई नहीं है। कक्षाएं लगाने के संबंध में विश्वविद्यालय ने आनन-फानन में बैठक बुलाई है, जिसमें रास्ता निकलने पर जोर दिया जाएगा। वैसे कुलगुरु डॉ. रेणु जैन ने विजिटिंग फैकेल्टी से कक्षाएं लगाने का सुझाव दिया है।

पचास फीसदी राशि जमा करने पर जोड़ा जाता है कनेक्शन

बिजली बिल बकाया, शस्त्र लाइसेंस निरस्ती के नोटिस पहुंचते ही मचा हड़कंप

बिजली कंपनी ने शहर के चारों संभागों में ऐसे उपभोक्ताओं को चिन्हित किया था। शहर वृत्त में बड़े बकायादार जिन पर दो लाख से छह लाख तक की राशि बकाया है ऐसे उपभोक्ता करीब 35 हजार हैं। बड़े बकायादारों से वसूली के लिए बिजली कंपनी की टीम घर पहुंच रही है।

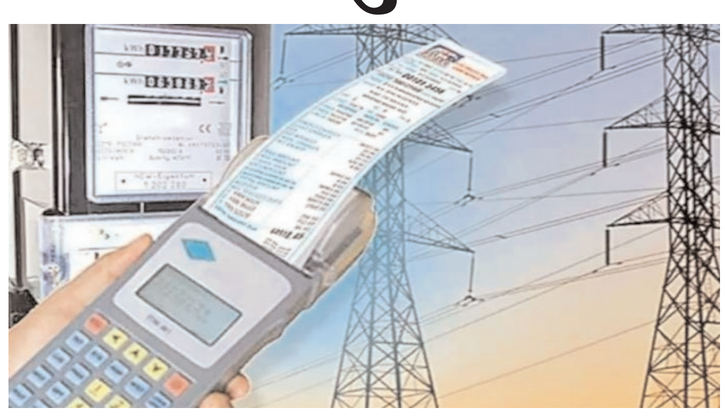

ग्वालियर। छोटे और बड़े बकायादारों पर 550 करोड़ की राशि बकाया है। बकाया वसूलने के लिए बिजली कंपनी न केवल कुर्की बल्कि शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई के नोटिस बकायादारों को भेज चुकी है। इससे 17 हजार उपभोक्ता जिनके पास शस्त्र लाइसेंस हैं उनमें हड़कंप मचा हुआ है। वे बकाया राशि जमा करने के लिए बिजली कंपनी के अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं।

बिजली कंपनी ने शहर के चारों संभागों में ऐसे उपभोक्ताओं को चिन्हित किया था। शहर वृत्त में बड़े बकायादार जिन पर दो लाख से छह लाख तक की राशि बकाया है ऐसे उपभोक्ता करीब 35 हजार हैं। बड़े बकायादारों से वसूली के लिए बिजली कंपनी की टीम घर पहुंच रही है।

राशि जमा न करने पर उनके कनेक्शन काटे जा रहे हैं, लेकिन कुछ उपभोक्ता जुगाड़ से कनेक्शन जोड़ कर बिजली जलाते पकड़े गए हैं जिन पर विद्युत अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की गई है। बाजवूद इसके बकाया राशि जमा कराने का लक्ष्य बिजली कंपनी पूरा नहीं कर पा रही है। हालांकि कंपनी ने जोन वार बैनर लगाकर उनके नाम की सूची चौराहों पर लगाई गई है।

बकाया वसूली अभियान के दौरान कनेक्शन काटे जाने पर अगर उपभोक्ता पचास फीसदी राशि जमा करा देता है, तो उनका कनेक्शन जोड़ दिया जाता है। कनेक्शन काटने से पहले कंपनी के अधिकारी उपभोक्ता को बकाया जमा करने के लिए प्रेरित करते हैं। बकाया जमा न होने पर ही कनेक्शन विच्छेद किया जाता है।

फैक्ट फाइल

उपभोक्ता 2,95,000
बड़े बकायादार 6000
छोटे बकायादार करीब 1,0,9,000
कुल बकाया 550 करोड़
कुल शस्त्र लाइसेंसधारी उपभोक्ता: 32000
शहर वृत्त में कुल शस्त्र लाइसेंसी उपभोक्ता: 17000

डेढ़ माह में 25 डेयरियों पर छापे, सख्त कार्रवाई किसी पर नहीं

भिंड। गांव-गांव में सपरेटा दूध में पाम कर्नल आइल, माल्टोडेक्साट्रिन पाउडर से सिंथेटिक मावा व पनीर तैयार करने की डेयरियों की बाढ़ सी आ गई है। 35 दिन में फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने 25 से अधिक डेयरियों पर छापे डालकर कुछ पर एफआइआर दर्ज कराई।

इससे पहले आधा दर्जन से अधिक लोग रासुका में जेल भी जा चुके हैं लेकिन रासुका वाले मिलावटखोर कमजोर साक्ष्यों की वजह से हाईकोर्ट से राहत लेकर घर आ गए जबकि जांच में सैंपल फेल होने के बाद अधिकांश मिलावटखोरों पर एडीएम कोर्ट से 20 से 30 हजार के जुर्माने हो गए, जिन्हें भरकर उन्होंने नए सिरे से अपना कारोबार शुरू कर दिया।डेयरी का संचालन, मजदूरी 2 हजार रुपये मिलाकर कुल 16 से 18 हजार रुपये में 1.50 क्विंटल पनीर-मावा तैयार हो रहा है। इस पनीर को 260 रुपये किलो थोक रेट के हिसाब से छग के रायपुर, मप्र के इंदौर-ग्वालियर में सप्लाई कर दिया जाता है। इस तरह मिलावटखोर एक क्विंटल पर 14 से 15 हजार रुपये मुनाफा कमाते हैं। पहले सिंथेटिक दूध बनाने के लिए मात्र 10 ग्राम वाशिंग पाउडर, 800 एमएल रिफाइंड तेल, 200 एमएल दूध को आपस में मिलाया जाता है। इसमें पानी भी मिलाया जाता है और एक लीटर दूध से 20 लीटर सिंथेटिक दूध तैयार करते हैं। इसी से मावा भी तैयार हो जाता है। सिंथेटिक दूध से बना एक किलो मावा 120 रुपये तैयार हो जाता है। जबकि यह 250 से 300 रुपये किलो तक बिकता है।

26 मानसिक दिव्यांगों को उज्जैन किया शिफ्ट

इंदौर। पंचकुइया स्थित युगपुरुष धाम बौद्धिक विकास केंद्र में रह रहे 18 वर्ष से अधिक उम्र के 30 में से 26 मानसिक दिव्यांगों को उज्जैन स्थित सेवाधाम आश्रम में स्थानांतरित किया गया है। बता दें कि जुलाई के शुरुआत में मानसिक दिव्यांग बच्चों की लगातार मौत और तबीयत खराब होने के बाद बच्चों को खंडवा रोड स्थित परमानंद आश्रम में शिफ्ट किया गया था।

इसके बाद से ही यहां रह रहे 18 वर्ष से अधिक उम्र के करीब 30 युवाओं को उज्जैन स्थित एक एनजीओ में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया चल रही थी। इसके अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी आश्रम के एक दर्जन बच्चों को उनके माता-पिता को वापस सौंपने के लिए मनाने में जुटे हैं।

युगपुरुष धाम आश्रम में 142 बच्चों को विगत दिनों स्थानांतरित किया गया था, जबकि यहां की क्षमता 100 बच्चों को रखने की है। ऐसे में यहां रहने वाले 42 बच्चों को दूसरी जगह स्थानांतरित करने की योजना बनाई गई। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रामनिवास बुधोलिया ने बताया कि युगपुरुष धाम में 30 बच्चे हैं, जो 18 वर्ष की उम्र पार कर चुके हैं।

नियम अनुसार इन्हें आश्रम से मुक्त किया जा सकता है। इनमें से 26 दिव्यांगों को उज्जैन स्थानांतरित किया गया है। चार अन्य को लेकर प्रक्रिया जारी है। करीब एक दर्जन बच्चे अनाथ नहीं हैं, इन्हें माता-पिता को सौंपने के प्रयास किए जा रहे हैं।

फाइलों से निकल धरातल पर पहुंची मोरोद में बनेगी नई आधुनिक अनाज मंडी

इंदौर। छावनी अनाज मंडी को शहर से बाहर करने की कवायद कई सालों से जारी है। मंडी के लिए शहर के बाहर कई स्थानों का चयन हुआ, लेकिन मामला फाइलों में शुरू हुआ और फाइलों में खत्म हो गया।अब पहली बार आधुनिक मंडी बनाने की प्रक्रिया फाइलों से बाहर आकर धरातल पर पहुंची है। ग्राम मोरोद में मंडी बनाने के लिए इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) जल्द ही कंसल्टेंट एजेंसी तय करेगा, जो डीपीआर से लेकर वनभूमि की अनुमति की प्रक्रिया पूरी करेगी।शहर के मध्य स्थित छावनी अनाज मंडी को इंदौर तहसील के ग्राम मोरोद में बनाने के लिए शासकीय जमीन चिह्नित की गई है। विगत दिनों आइडीए संचालक मंडल द्वारा कंसल्टेंट नियुक्त करने की अनुमति प्राप्त हो चुकी है। आइडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आरपी अहिरवार का कहना है कि मोरोद में आधुनिक मंडी बनाई जानी है।

महंगाई

सब्जी व्यापारी का कहना है कि जब हमें माल मंहगा मिलेगा तो मंहगा बेचेंगे

लगातार बारिश के कारण अचानक बढ़े सब्जियों के दाम, प्याज-टमाटर, बरबटी के रेट हाई

शहडोल। लगातार हुई बरसात के कारण सब्जियों पर भी असर पड़ा है। यहां सबसे ज्यादा परेशानी माल न आ पाने के कारण हो रही है। व्यापारियों ने सब्जी के दाम बढ़ा दिए हैं। सब्जी के दामों में काफी उछाल आया है और इसका सबसे ज्यादा असर पत्तेदार सब्जियों पर पड़ा है। सब्जी का सबसे प्रमुख हिस्सा धनिया, मिर्च सातवें आसमान पर है। बरबटी 80 रूपए, फूलगोभी 120, बैगन 60, टमाटर 50 रूपए प्रति किलो तक बिक रही है।

बारिश में आवक हुई बंद

व्यापारियों का तर्क है कि जब सब्जी उपलब्ध नहीं हो पा रही है तो हम क्या करें। जो सब्जी शहडोल से बाहर कटनी जबलपुर और बिलासपुर की ओर से आती थी उसका आना इस समय बंद है। कई जगह रास्ते कट गए हैं और बरसात में कई जगह सड़क मार्ग बाधित हो गया है जिसका साफ असर सब्जी पर देखा जा रहा है।सब्जी व्यापारी शंकर पटेल का कहना है कि जब हमें माल मंहगा मिलेगा तो मंहगा बेचना मजबूरी है। थोक बाजार में हर सब्जी के दाम बढ़े हैं जिसका असर फुटकर बाजार पर पड़ा है। गंज बाजार सब्जी मंडी के रेट अलग चल रहे हैं और गली गली फेरी लगाकर सब्जी बेचने वालों के रेट अलग चल रहे हैं। इनके बीच डेढ़ गुना दामों का अंतर है।

आज की स्थिति में सब्जी अब के रेट हरा धनिया 300 रूपए किलो, हरी मिर्च 120 रूपए किलो, आलू 35 रूपए किलो, बरबटी 80 रूपए किलो, बैगन 60 रूपए किलो, टमाटर 50 और परवल 80 रूपए तक बिक रहा है। फूलगोभी 120 रूपए तक पहुंच गई है।

लहसुन में मजबूती, आवक कमजोर

राखी के बाद मंगलवार को थोक सब्जी मंडी में आवक और कामकाज कमजोर देखा गया। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर (चोइथराम) थोक मंडी में मंगलवार को प्याज की आवक घटकर सिर्फ 28 हजार बोरी रह गई। प्याज के दाम स्थिर और मजबूत बने हुए हैं। ऊपर में प्याज सुपर 3300 रुपये तक बिका।

पति ने पहले छुड़वाई नौकरी फिर शुरू किया उत्पीड़न, अब केस दर्ज

ग्वालियर। फिरोजाबाद। इंजीनियर पति और ससुरालियों ने हैप्पी फैमिली की बातें करके एयर इंडिया की नौकरी छुड़वाई और फिर कुछ दिनों बाद ही अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न शुरू कर दिया। मायके में रह रही युवती ने ग्वालियर निवासी इंजीनियर पति और ससुरालियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराते हुए पिता की कार ले जाने का आरोप भी लगाया।शिकोहाबाद के गंगानगर निवासी सुनीता ने महिला थाने में लिखवाई प्राथमिकी में बताया कि उसकी शादी अप्रैल 2022 को इंजीनियर योगेश नगेले निवासी प्रसादीपुरा, मुरार ग्वालियर से हुई थी। बीते दिसंबर में उसकी एयर इंडिया क्रू मेम्बर की नौकरी छुड़वा दी। 10 फरवरी को ससुराली उसे मायके छोड़ गए।बाद में पंचायत में चचिया ससुर के आश्वासन पर वह सात मई को ससुराल चली गई। तब चचिया ससुर उसके पिता की कार कुछ दिन के लिए मांगकर ले गए। उसे अब वापस नहीं कर रहे हैं। 13 जून को माता-पिता उसकी ससुराल आए तो ससुराल वालों ने उसे बंधक बना लिया। पुलिस ने तीनों को बचाया था। तबसे वह मायके में रह रही है।

अखिल भारतीय स्वास्थ्य संस्थान के तत्वावधान में समाजसेविका मोनिका द्विवेदी की 17वीं पुण्यतिथि के अवसर पर निशुल्क मल्टी स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर 27 अगस्त दोपहर 2 बजे से सिकंदर कंपू सैनिक कालोनी स्थित एसएन कान्वेंट स्कूल में आयोजित होगा।

मेसन में सिनसिनाटी ओपन टेनिस में जीत के बाद महिला एकल विजेता आर्यनका सबालेंक कप उठाये हुए।

एक साल बाद टेस्ट खेलते नजर आयेंगे पाक तेज गेंदबाज नसीम शाह

एजेंसी | लाहौर

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह करीब एक साल बाद कोई टेस्ट मैच खेलते हुए नजर आयेंगे। नसीम को बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए शामिल किया गया है। उन्हें पहले टेस्ट के लिए अंतिम ग्यारह में भी जगह मिल गयी है। नसीम ने अपना अंतिम टेस्ट पिछले साल जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ खेला था।

नसीम ने इसी को लेकर कहा, एक क्रिकेटर के जीवन में काफी कुछ चलता रहता है, जिसके बारे में लोगों को जानकारी नहीं होती। उन्होंने आगे कहा, कई बार, आप सिर्फ खुशी के छोटे-छोटे पलों की तलाश में रहते हैं। मेरे पिता कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से गुजर रहे हैं। एक समय था जब उन्हें क्रिकेट के बारे में कुछ भी नहीं पता था, लेकिन अब वे हर गेंद देखते हैं और जब हम हार जाते हैं तो दुखी हो जाते हैं। इसलिए, हर बड़े मैच से पहले, मैं अपने भाइयों को फोन करके सुनिश्चित करता हूं कि हमारे पिता इस मैच को ना देखें। मुझे डर है कि इससे कुछ स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें उन्हें हो सकती हैं। यह दबाव ऐसा है जैसे मैं एक साथ दो मैच खेल रहा हूं।

नसीम ने 16 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। साल 2019 में वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा में खेले थे। अब इस सीरीज में इस तेज गेंदबाज का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट टीम में जगह बनाना रहेगा।

ब्रीफ न्यूज

महाराजा टी20 ट्रॉफी में करुण का तूफानी शतक

बेंगलुरु (ईएमएस)। मैसूर वॉरियर्स के कप्तान करुण नायर ने मंगलूरु ड्रैगंस के खिलाफ महाराजा टी20 ट्रॉफी में आक्रामक शतक लगाया है। करुण ने 48 गेंदों पर ही नाबाद 124 रन बना दिये। इस दौरान करुण ने 9 छक्के और 13 चौके लगाये। करुण के शतक से मैसूर वॉरियर्स ने 226 रन बनाये। इससे पहले करुण ने पिछले मैच में भी तेजी से 35 गेंदों पर 66 रन बनाये थे। इस बल्लेबाज ने 260 के स्ट्राइक रेट से ये रन बनाए। करुण ने 43 गेंदों पर अपना शतक लगाया। उन्होंने पहले 27 गेंदों पर ही अपना अर्धशतक बना लिया। उन्होंने अंतिम 6 गेंदों पर लगातार 3 छक्के और 3 चौके लगाकर 124 रन बटोरे। ये टी20 करियर में नायर का तीसरा शतक है। इस बल्लेबाज ने पिछले सत्र में कुल 532 रन बनाए थे। उन्होंने 12 पारियों में 162.69 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये थे।

श्रेयस अय्यर सड़क पर सामान बेचने वाली महिला की सहायता करते दिखे

मुम्बई। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पिछले कुछ समय से खराब दौर से गुजर रहे हैं। हाल में उन्हें श्रीलंका दौरे पर शामिल किया गया था पर वह वहां भी रन नहीं बना पाये। ऐसे में अब उनका लक्ष्य घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन कर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में जगह बनाना रहेगा। इसी बीव सोशल मीडिया पर श्रेयस का एक वीडियो आया है। इसमें वह सड़क पर सामान बेचने वाली एक गरीब महिला की सहायता करते दिख रहे हैं। वहीं इस दौरान कई अन्य लोग भी ऑटोग्राफ के लिए उनके करीब पहुंच जाते हैं। ऐसा ही एक वीडियो में सैलून से बाहर आते ही श्रेयस के पास प्रशंसक पहुंच गये। अय्यर अपने प्रशंसकों में से किसी को उसके बल्ले पर ऑटोग्राफ देते हैं जबकि एक प्रशंसक को वह टी-शर्ट पर ऑटोग्राफ देते हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में खेल सकते हैं शमी : शाह

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने कहा है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। शाह ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे में हमें शमी जैसे अनुभवी खिलाड़ी की जरुरत पड़ सकती है। भारतीय टीम इस साल के अंत में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। ये दौरा कठिन होने की संभावना है। इसी को देखते हुए बोर्ड ने अपने तेज गेंदबाजों की फिटनेस बनाये रखने पर ध्यान दिया है। इसी के तहत ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा रहा है। इसके अलावा सर्जरी के बाद उबर रहे शमी पर भी बोर्ड की नजरें लगी हुई हैं। शाह ने कहा, हमारी टीम पहले से ही तैयार है। हमने बुमराह को काफी आराम दिया है। इसके अलावा शमी के भी तब तक पूरी तरह से फिट होने की संभावना है।

विनेश फोगाट पर खेल कोर्ट का पूरा ऑर्डर, कहा-

वजन बढ़ने की जिम्मेदार रेसलर जॉइंट मेडल देने का नियम नहीं

एजेंसी | पानीपत

पेरिस ओलिंपिक में 100 ग्राम वजन ज्यादा होने पर डिस्क्वालिफाई हुई हरियाणा की पहलवान विनेश फोगाट के केस में कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स ने 24 पेज की ऑर्डर कॉपी जारी की है। इसमें सीएएस ने कहा कि किसी भी खिलाड़ी का वजन कम-ज्यादा होने का कारण और जिम्मेदार खुद खिलाड़ी ही है। नियमों से ऊपर कुछ नहीं हो सकता। सीएएस ने आगे कहा कि खेलों में सभी प्रतिभागियों के लिए नियम समान होते हैं। विनेश फोगाट का वजन निर्धारित सीमा से 100 ग्राम अधिक था। उन्होंने इस मामूली बढ़त को शामिल करने की दलील दी थी। उन्होंने कहा था कि वजन इसलिए बढ़ा, क्योंकि मासिक धर्म (पीरियड्स) के कारण पानी की रिटेंशन हुई और ज्यादा पानी का इनटेक हुआ। विनेश की तरफ से जॉइंट मेडल की मांग की गई। कोर्ट ने इसे स्वीकार नहीं किया और स्पष्ट कर दिया कि नियमों में कोई भी ढील नहीं दी जा सकती।

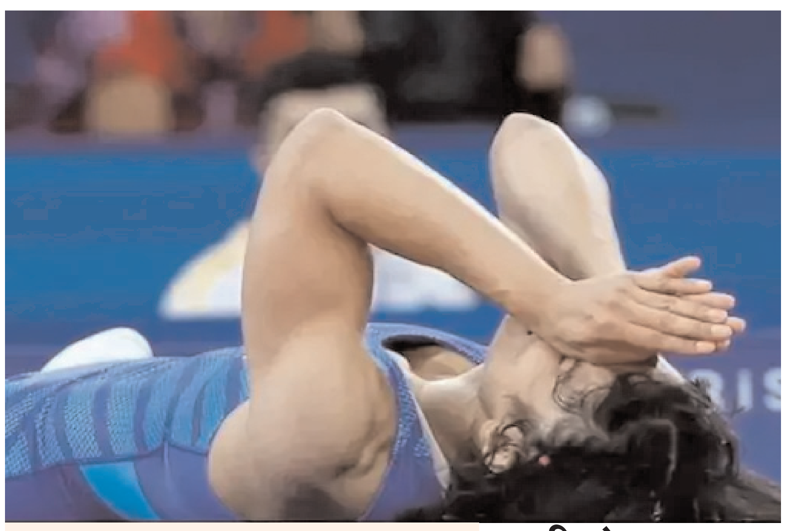

पानी की कमी की दलील दी

सीएएस ने कहा कि इस बात में कोई विवाद नहीं है कि विनेश फोगाट फाइनल से पहले वजन मापने के दौरान असफल साबित हुई। यानी उनका वजन 50 किग्रा वेट कैटेगरी के लिहाज से ज्यादा पाया गया। इसमें विनेश का मानना यह था कि सिर्फ 100 ग्राम वजन ज्यादा है। इसे पीरियड्स, वॉटर रिटेंशन के चलते विलेज तक आने के कारण पानी नहीं मिल पाया।

नियम सभी के लिए समान

एथलीट्स के लिए समस्या यह है कि वजन को लेकर नियम साफ हैं और सभी के लिए समान भी हैं। इसमें कितना ज्यादा है, यह देखने के लिए कोई सहनशीलता प्रदान नहीं की गई है। यह सिंगलेट (फाइटिंग के दौरान पहलने वाली जर्सी) के वजन की भी अनुमति नहीं देता है। यह भी साफ है कि एथलीट को ही यह देखना होगा कि उसका वजन नियम के अनुसार ही हो।

उस दिन के हालात पर छूट का प्रावधान नहीं

एथलीट ने यह भी मांग की है कि वजन के नियमों में दी गई लिमिट को उस दिन की उसकी व्यक्तिगत परिस्थितियों के अनुसार बदला जाए और उस लिमिट पर सहनशीलता लागू की जाए। यानी 100 ग्राम वजन को ज्यादा न समझा जाए और 50 किग्रा वेट कैटेगरी में खेलने की अनुमति दी जाए। मगर, नियमों को देखा जाए तो उसमें ऐसी कोई छूट देने का प्रावधान ही नहीं है। नियम साफ हैं कि 50 किग्रा वेट एक लिमिट है. इसमें व्यक्तिगत तौर पर सहूलियत देने या विवेकाधिकार प्रदान करने का कोई प्रावधान नहीं है।

थोड़ी भी छूट देने का अधिकार नहीं

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के नियमों में साफ दिया गया है कि पहलवान को न सिर्फ टूर्नामेंट के शुरुआत में खेलने के योग्य होना चाहिए, बल्कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान ही उसे योग्य होना चाहिए। यानी एंट्री से लेकर फाइनल तक ऐसे में नियमों में जरा भी अधिकार नहीं दिया गया है कि थोड़ी भी छूट दी जाए।

विनेश ने पहले मापे गए वजन की दलील दी

एथलीट का पहले दिन का वजन नियम के अनुसार था। उन्हें दूसरे दिन यानी फाइनल से पहले भी वजन माप में सफल होना था। नियमों के अनुच्छेद 11 के लागू होने के कारण विनेश टूर्नामेंट से बाहर हो गईं और बिना किसी रैंक के आखिरी स्थान पर आ गईं। इसने उनसे सिल्वर मेडल भी छीन लिया गया, जो उन्होंने सेमीफाइनल जीतने के साथ ही पक्का कर लिया था। इस पर विनेश की दलील है कि वो सिल्वर मेडल के लिए योग्य और पात्र बनी रहीं और 6 अगस्त (पहले दिन) को उनका जो सफल वजन माप हुआ था, उसे दूसरे दिन भी लागू किया जाए।

नियमों में मेडल देने का प्रावधान नहीं

नियमों में कोई विवेकाधिकार नहीं दिया गया है। इसे लागू करने के लिए एकमात्र मध्यस्थ पूरी तरह से बाध्य हैं। एकमात्र मध्यस्थ इस दलील में भी दम देखता है कि फाइनल से पहले जो वजन माप किया गया था, वो नियम के खिलाफ था तो विनेश को सिर्फ फाइनल के लिए अयोग्य माना जाना चाहिए। यानी उन्हें सिल्वर दिया जाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से आवेदक के लिए नियमों में यह भी सुविधा भी प्रदान नहीं की गई है।

एलएसजी के मेंटर बन सकते हैं जहीर खान

आईपीएल 2024 से पहले छोड़ा था गंभीर ने साथ

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान आईपीएल 2025 से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम से जुड़ सकते हैं। उन्हें टीम मेंटर की जिम्मेदारी दी जा सकती है। आईपीएल 2024 से पहले गौतम गंभीर रूस्त्र छोड़ कर कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ चले गए थे। इसके बाद से लखनऊ की मेंटर की सीट खाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक लखनऊ की टीम तेज गेंदबाज से मेंटर की भूमिका के लिए बातचीत कर रही है। अगर सब सही रहता है तो जहीर रूस्त्र के टीम का हिस्सा बन सकते हैं।

जहीर क्यों पहली पसंद

रिपोर्ट्स के मुताबिक जहीर खान टीम मैनेजमेंट की पहली पसंद हैं, क्योंकि टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल टीम इंडिया के साथ बतौर गेंदबाजी कोच जुड़ सकते हैं। ऐसे में जहीर खान के अनुभव का फायदा टीम के तेज गेंदबाजों को मिल सकता है। वहीं जहीर खान मुंबई इंडियंस में लंबे समय से टीम मैनेजमेंट का हिस्सा हैं। वह बॉलिंग कोच के बाद मुंबई टीम के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट रह चुके हैं। 2022 से वह एमआई के प्लेयर्स डेवलपमेंट के ग्लोबल हेड हैं। वह इस भूमिका को दो साल से निभा रहे हैं।

एलएसजी में उन्हें जस्टिन लैंगर के साथ करना पड़ेगा काम

अगर जहीर खान रूस्त्र के साथ जुड़ते हैं तो वह हेड कोच जस्टिन लैंगर के साथ-साथ एडम वोग्स, लांस क्लूजनर और जॉन्टी रोड्स जैसे अन्य कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर काम करेंगे।

जहीर के पास इंटरनेशनल और आईपीएल में खेलने का अनुभव

जहीर खान ने भारत के लिए 92 टेस्ट मैचों में 3.27 की इकोनॉमी से गेंदबाजी की है और 311 विकेट लिए हैं। वहीं उन्होंने 200 वनडे मैचों में 4.93 की इकोनॉमी से गेंदबाजी की है और 282 विकेट लिए हैं। उन्होंने भारत के लिए 17 टी-20 भी खेले हैं और 17 विकेट भी लिए हैं। जहीर खान के पास आईपीएल के 100 मैच खेलने का अनुभव भी है।

आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप रिजिनल क्वालिफायर

डेरियस ने 39 रन बनाकर नया विश्व रिकार्ड बनाया

नई दिल्ली। आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप रिजिनल ईस्ट एशिया पेसिफिक क्वालिफायर-ए मैच में समोया के बल्लेबाज डेरियस विस्सर ने एक ही ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का नया रिकॉर्ड बनाया है। ये मैच समोया और वानुअतु के बीच था। इस मैच में विस्सर ने एक ही ओवर में 39 रन बनाकर अब तक के सभी रिकार्ड तोड़ दिये। विस्सर ने वानुअतु के तेज गेंदबा नालिन निपिको की गेंदों पर 6 शानदार छक्के लगाये। 6 गेंदों पर लगातार 6 छक्के जड़ने का रिकॉर्ड पहले भी भारत के युवराज सिंह सहित कई खिलाड़ियों ने बनाया है पर एक ओवर में 39 रन बटोरे जाने का रिकॉर्ड आज से पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं बना। डेरियस विस्सर ने वानुअतु के गेंगदाज नालिन निपिको के खिलाफ पारी के 15वें ओवर की पहली तीन गेंदों पर ही तीन छक्के लगा दिये। वहीं चौथी गेंद नो बॉल रही। इसके बाद विस्सर ने फिर से छक्का लगाया। पांचवीं गेंद पर रन नहीं बना पर अगली गेंद पर डेरियस ने फिर से छक्का मारा ये गेंद नो बॉल रही और फिर से निपिको ने अंतिम गेंद फेंकी तो डेरियस ने एक और छक्का मार दिया।

अब युवराज की जिंदगी पर बनेगी बायोपिक

एजेंसी | नई दिल्ली

2011 एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह के जीवन पर अब फिल्म बनने जा रही है। स्वयं युवराज ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ये जानकारी देते हुए इस फिल्म के निर्माता का आभार जताया है। युवराज पर बन रही इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार-रवि भगचांदका करेंगे। इस फिल्म में युवराज की भूमिका कौन सा कलाकार निभाएगा ये अभी तय नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि रणवीर कपूर से भूमिका निभा सकते हैं। रणबीर ने इससे पहले अभिनेता संजय दत्त की भूमिका भी निभाई थी। फिल्म मे युवराह का क्रिकेट करियर और उसके बाद कैंसर से उनकी जंग भी दिखायी जाएगी। कैंसर के बाद युवराज ने भारतीय टीम में भी वापसी की थी। वहीं लीग क्रिकेट भी खेला। इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर भी एक बायोपिक धोनी द्द द अनटोल्ड स्टोरी बनी थी और उसने सफलता के कई रिकार्ड बनाये थे। उसमें धोनी की भूमिका दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने निभाई थी। ऐसे में माना जा रहा है कि युवराज पर बनी फिल्म भी खासी सफल होगी।

सूर्यकुमार, बुमराह सहित कई क्रिकेटरों ने भी रक्षाबंधन की तस्वीरें साझा कीं

मुम्बई। देशभर में सोमवार को रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया गया। क्रिकेटरों ने भी धूमधाम से रक्षाबंधन मनाया और इस अवसर की तस्वीरें भी साझा की हैं। सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, युवराज सिंह, रिंकू सिंह, दीपक चाहर और युजवेंद्र चहल सहित कई क्रिकेटरों ने सोशल मीडिया पर रक्षाबंधन की तस्वीरें भी साझा की हैं। सूर्यकुमार ने तस्वीर साझा की है उसमें उनकी बहन दीनल यादव उन्हें राखी बांधती दिख रही हैं। इस बल्लेबाज ने सोशल मीडिया लिखा, हैप्पी रक्षाबंधन, मैडनेस टॉप लेवल। तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने बहन के साथ रक्षा बंधन पर्व मनाया। रक्षा बंधन भाइयों और बहनों के बीच प्यार और बंधन को समर्पित एक पारंपरिक भारतीय त्योहार है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं। बदले में, भाई अपनी बहनों के लिए प्यार और देखभाल के प्रतीक के रूप में उपहार देते हैं।

विश्व कप क्वालीफायर मैचों से बाहर हुए मेसी

एजेंसी | ब्यूनस आयर्स

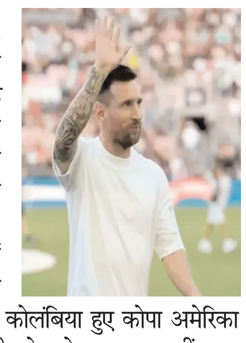

अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के कप्तान लियोनल मेसी चोटिल होने के अगले माह होने वाले विश्व कप क्वालीफायर मैचों से बाहर हो गये हैं। ऐसे में अब अर्जेंटीना को चिली और कोलंबिया के खिलाफ होने वाले इन मैचों में मेसी के बिना ही उतरना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार मेसी को फिट नहीं होने के कारण 28 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। वह गत माह जुलाई में कोलंबिया हुए कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में टखने की चोट से अब तक नहीं उबर पाये हैं। मेसी के अलावा गोलकीपर फ्रेंको अरमानी को भी टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा रोमा के फारवर्ड पाउलो डायबाला को भी शामिल नहीं किया गया है। वहीं मिडफील्डर एजेक्विएल फर्नांडीज और स्ट्राइकर वैलेन्टिन कैस्टेलानोस को पहली बार शामिल किया गया है। इसके अलावा युवा खिलाड़ियों एलेजांद्रो गार्नाचो, वैलेन्टिन कार्बोनी, वैलेन्टिन बारको और मटियास सोल को भी टीम में जगह मिली है।

अर्जेंटीना टीम इस प्रकार है

गोलकीपर: वाल्टर बेनिटेज़ (पीएसवी आइंडहोवेन), गेरोनिमो रूली (ओलंपिक डी मार्सिले), जुआन मुसो (अटलांटा), एमिलियानो मार्टिनेज (एस्टन विला)।

डिफेंडर: गोंजालो मोंटिएल (सेविला), नहुएल मोलिना (एटलेटिको मैड्रिड), क्रिस्टियन रोमेरो (टोटेनहम हॉटस्पर), जर्मन पेज़ेला (रिवर प्लेट), लियोनार्डो बालेरडी (ओलंपिक मार्सिले), निकोलस ओटामेंडी (बेनफिका), लिसेंड्रो मार्टिनेज (मैनचेस्टर यूनाइटेड), निकोलस टैग्लियाफिको (ओलंपिक लियोनिस), वैलेन्टिन बारको (ब्राइटन और होव एल्बियन)।

मिडफील्डर: गुइडो रोड्रिगेज (वेस्ट हैम यूनाइटेड), एलेक्सिस मैक एलिस्टर (लिवरपूल), एंजो फर्नांडीज (चेल्सी), जियोवानी लो सेल्सो (टोटेनहम हॉटस्पर), एजेक्विएल फर्नांडीज (अल कादसिया), रोड्रिगो डी पॉल (एटलेटिको मैड्रिड), निकोलस गोंजालेज (फियोरेंटीना)), लिएंड्रो पेरेडेस (एएस रोमा)।

एक ओवर में 39 रन बने, टूटा वर्ल्ड रिकॉर्ड

टी-20 मैच में समोआ के बल्लेबाज ने 6 गेंद पर 6 छक्के जमाए, 3 नो-बॉल

एजेंसी | एपिया

टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ओवर में सबसे ज्यादा रन का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना है। टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर में समोआ और वानुआतू के बीच हुए मैच के दौरान यह रिकॉर्ड बना। समोआ के बल्लेबाज डेरियस विसर ने मंगलवार को टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में वानुआतू के गेंदबाज नलिन निपिको के ओवर में 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाए। इस ओवर में 3 नो बॉल भी शामिल थीं। इससे टी-20 इंटरनेशनल मैच के एक ओवर में सबसे ज्यादा 39 रन का नया रिकॉर्ड बन गया। पिछला रिकॉर्ड 36 रन का था। भारत के युवराज सिंह, वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड और निकोलस पूरन और नेपाल के दीपेंद्र एरी ने एक ओवर में 6 छक्के के साथ 36 रन बनाने का कारनामा कर रखा है।

विसर से पहले 3 बैटर लगा चुके हैं 6 गेंदों पर 6 सिक्स

विसर टी-20 इंटरनेशनल मैच के एक ओवर में 6 छक्के लगाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले भारत के युवराज सिंह, वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी एक ओवर में 6 छक्के लगा चुके हैं। सबसे पहले युवराज ने 2007 के टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाए थे।

मप्र में बनेंगी आठ हजार करोड़ की सड़कें : स्वीकृति के लिए कैबिनेट की बैठक में मंजूरी के लिए लाया जाएगा प्रस्ताव

एजेंसी, भोपाल

मंत्री और विधायकों की उनके विधानसभा क्षेत्र में सड़कें खराब होने या सड़क नहीं होने की शिकायतें शीघ्र दूर हो जाएंगी। इसके लिए प्रदेश में आठ हजार करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। इनमें शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र की सड़कें सम्मिलित की जाएंगी। मुख्यमंत्री की घोषणा और मंत्री-विधायकों से मिले प्रस्ताव के आधार पर लोक निर्माण विभाग ने इसकी सूची तैयार कर ली है। पहली बार है, जब एक बार में इतनी बड़ी राशि से सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। निर्धारित मापदंड से अधिक राशि की स्वीकृति के चलते कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जा रहा है।

विधानसभा चुनाव के पहले सरकार ने सभी विधायकों से 15-15 करोड़ रुपये के प्रस्ताव मांगे थे। अधिकतर सदस्यों ने पुल-पुलिया और सड़कों के प्रस्ताव दिए। इन्हें बजट में शामिल तो किया गया पर राशि का केवल प्रतीकात्मक प्रविधान रखा। वर्ष 2024-25 के बजट में पांच हजार करोड़ रुपये से लागत वाली 3,668 किलोमीटर लंबाई की सड़कों को शामिल किया गया। इसके साथ ही कई और परियोजनाएं हैं, जिनकी मांग सांसद और अन्य जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से की है। मुख्यमंत्री कार्यालय को प्राप्त इन प्रस्तावों को भी शामिल करते हुए विभाग ने आठ हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे कैबिनेट की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। दरअसल, किसी भी निर्माण विभाग को राशि देने के लिए जो मापदंड हैं, उसके अनुसार विभाग को 10 हजार करोड़ रुपये का बजट मिला है लेकिन इससे प्रस्तावित कार्य पूरे नहीं हो सकते हैं। अधिक राशि स्वीकृत करने के लिए वित्त विभाग छूट दे सकता है पर कैबिनेट की स्वीकृति आवश्यक है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि केंद्रीय सड़क निधि की तीन हजार करोड़ रुपये की सीमा को भी बैंक आफ सेंक्शन में शामिल किया हुआ है। इसमें राशि केंद्र सरकार देती है, इसलिए इस राशि को विभाग के लिए निर्धारित सीमा से हटाना प्रस्तावित किया है। इससे विभाग की बैंक आफ सेंक्शन की सीमा बढ़ जाएगी और आठ हजार करोड़ रुपये की लागत से सड़क, पुल-पुलिया बनाने का रास्ता साफ हो जाएगा। राशि की व्यवस्था अनुसूचित जाति-जनजाति उप योजना, खनिज क्षेत्र विकास निधि, केंद्रीय क्षेत्रीय योजना, विशेष केंद्रीय सहायता से किया जाना प्रस्तावित है।

ब्रीफ न्यूज

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में मंगलवार को एडीएम भूपेंद्र गोयल, संयुक्त कलेक्टर मोहम्मद इकबाल, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती निधि चौकसे एवं अन्य अधिकारियों ने जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से लगभग 36 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर भूपेन्द्र गोयल एवं अन्य अधिकारियों ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने न केवल मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में बलराम तालाब योजना का किसान लाभ लें

भोपाल। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत बलराम तालाब योजनांतर्गत सभी वर्गों के किसानों से लाभ प्राप्त करने का अनुरोध किया है। बलराम तालाब योजनांतर्गत निर्मित तालाब के लिए सामान्य वर्ग के कृषक अपने खेत में तालाब निर्माण करते हैं तो उन्हें लागत का 40 प्रतिशत या अधिकतम 80 हजार रुपए राशि अनुदान प्रदाय किया जाता है। लघु सीमान्त किसानों के लिए 50 प्रतिशत अनुदान या अधिकतम 80 हजार रुपए प्रदाय किए जाते हैं। अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति वर्ग के कृषकों को लागत का 75 प्रतिशत अनुदान या अधिकतम एक लाख रुपए राशि का अनुदान दिया जाता है। किसान स्वयं तालाब खोद सकते हैं या मजदूरों, मशीनों का उपयोग करके तालाब खोद सकते हैं। योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी निकटतम कृषि कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

सतर्कता एवं जांच के देयकों को ऑनलाइन भुगतान करने की सुविधा उपलब्ध

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के ऐसे बिजली उपभोक्ता जिन्हें बिजली कंपनी के सतर्कता एवं अन्य जांच दलों द्वारा अनंतिम/अंतिम देयक जारी किये हैं, उनके भुगतान के लिए कंपनी की वेबसाइट portal.mpcz.in पर ऑनलाईन भुगतान की सुविधा शुरू की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने जानकारी दी है कि ऐसे व्यक्ति अथवा बिजली उपभोक्ता जिनके परिसर में बिजली के अनधिकृत उपयोग या फिर अन्य किसी भी अनियमितता के चलते बिजली कंपनी के सतर्कता एवं अन्य जांच दलों द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध कर उन्हें अनंतिम/अंतिम देयक जारी किया गया है, तो अब उसके भुगतान के लिए कंपनी के जोन/वितरण केन्द्र कार्यालय के साथ-साथ घर बैठे ही कंपनी की बेवसाइट श्चश्हtal.mpcz.in पर भी ऑनलाईन भुगतान की सुविधा कंपनी ने उपलब्ध कराई है।

सबनानी बने मध्यप्रदेश में बीजेपी के सदस्यता अभियान के प्रभारी

कांग्रेसियों को सदस्यता दिलाने के सवाल पर वीडी बोले- विरोधी हमारा वोटर बने और वही वोटर वर्कर बने

एजेंसी, भोपाल

भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर 21 अगस्त को भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में बैठक होगी। इस बैठक के पहले बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने सदस्यता अभियान को लेकर जानकारी दी। वीडी शर्मा से पूछा गया कि इस सदस्यता अभियान के दौरान क्या कांग्रेसियों को भी बीजेपी का मेंबर बनाएंगे? इसके जवाब में उन्होंने कहा- दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था हमारा विरोधी, हमारा मतदाता बने। वो मतदाता हमारा सदस्य बने और वो सदस्य हमारा कार्यकर्ता बने। उस प्रक्रिया में कुछ भी हो सकता है। बीजेपी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवान दास सबनानी एमपी के सदस्यता अभियान के प्रभारी बनाए गए हैं। इस टोली में प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी, नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी, प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल इनको मिलकर सदस्यता अभियान की प्रदेश टोली बनाई है।

सदस्यता अभियान को संगठन पर्व नाम दिया

वीडी शर्मा ने सदस्यता अभियान की जानकारी देते हुए कहा भाजपा संगठन के सदस्यता अभियान को संगठन पर्व- 2024 के तौर पर शुरू किया है। 17 अगस्त को संगठन पर्व सदस्यता अभियान की राष्ट्रीय कार्यशाला हुई जिसमें बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह, बीएल संतोष ने देश की कार्यशाला को संबोधित किया। और इस संगठन पर्व की शुरुआत राष्ट्रीय कार्यशाला से हुई है।

अरुण सिंह, विनोद तावडे बैठक में होंगे शामिल

अब इस संगठन पर्व के तहत एमपी बीजेपी की कार्यशाला 21 अगस्त को भोपाल में होगी। इस कार्यशाला में प्रदेश कोर ग्रुप, संभाग पदाधिकारी, संभाग प्रभारी, सांसद, विधायक, जिला प्रभारी, अध्यक्ष, महामंत्री, मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष, मीडिया के प्रभारी, सह प्रभारी, विभाग प्रकोष्ठ के संयोजक इस बैठक में शामिल होंगे। सदस्यता अभियान के प्रभारी विनोद तावड़े और बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह केंद्रीय अधिकारी के तौर पर शामिल होंगे।

जिले में बनेगी 4 लोगों की टीम

सदस्यता अभियान को लेकर हर जिले में 1+3 सदस्यता टोली बनेगी। जिलों में संयोजक के साथ 3 कार्यकर्ता मिलकर 1 प्लस 3 टोली बनेगी। 11 हजार शक्ति केंद्रों के संयोजक इस सदस्यता अभियान के संयोजक होंगे। 31 अगस्त को मप्र के 64871 बूथों सहित देश के 10 लाख बूथों पर संगठन पर्व की कार्यशाला होगी।22- 23- 24 को जिलों की कार्यशालाएं होंगी। 25 से 27 मंडल कार्यशालाएं होंगी। एक शक्ति केंद्र में 5- 6 बूथ होते हैं ऐसे 11 हजार शक्ति केंद्रों की 31 अगस्त को बूथ कार्यशाला होगी। वीडी शर्मा ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदस्यता दिलाकर इसकी शुरुआत होगी।

चार प्रकार के बीजेपी के सदस्य बन सकेंगे

वीडी शर्मा ने कहा- सदस्यता अभियान के लिए कल एक मिस्ड कॉल नंबर जारी होगा। इसके अलावा नमो एप, भाजपा की वेबसाइट और QR कोड से सदस्यता ले सकेंगे। इन चारों प्रकार से नई सदस्यता होगी।

क्रिमिनल रिकॉर्ड वाला नहीं बन पाएगा मेंबर

वीडी शर्मा ने कहा- जिनके क्रिमिनल रिकॉर्ड हैं या जिनकी समाज में छवि अच्छी नहीं हैं। ऐसे लोगों के लिए भाजपा में स्थान नहीं हैं। नए सदस्य बनाने का क्राइटेरिया है जो भारत का नागरिक है। तो भाजपा का सदस्य बन सकता है। अगर कोई ऑन रिकॉर्ड क्रिमिनल है तो वो भाजपा में नहीं आ सकता। अगर आ भी गया तो हम ट्रेस कर लेंगे।

एमपी में बने थे पिछले साल 95 लाख सदस्य

वीडी शर्मा ने कहा- पिछली बार की सदस्यता को देखें तो देश में 18 करोड़ की मेंबरशिप है। अगर चाइना की मेंबरशिप 9 करोड़ हैं तो बीजेपी की देश में 18 करोड़ है। एमपी में पिछले बार 95 लाख एक करोड़ की सदस्यता हुई थी। जिलों से जब लक्ष्य आ जाएगा तो हम मप्र में ये आंकड़ा बताएंगे कि कितने नए सदस्य बनाए जाएंगे। वीडी शर्मा ने कहा- हम मिस्डकॉल के बाद वेरिफाई करके पूरा डिटेल लेकर फिर नए सदस्य बनाते हैं। पिछले अनुभव के आधार पर देश में रिकॉर्ड बनाने का काम करेंगे। लोकसभा में 2.24 करोड वोट मिले। विधानसभा चुनाव में 2.11 करोड वोट बीजेपी को मिले। जो भी मिस्डकॉल करता है उसे हम वेरिफाई करते हैं, उदाहरण के तौर पर एक व्यक्ति ने दो बार मिस्डकॉल कर दिए तो उसे हम कॉल करके वेरिफाई करते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बाबूलाल गौर जी की पुण्यतिथि पर रक्त दान शिविर का आयोजन होगा

नोबल एक्सप्रेस,भोपाल

श्रद्धेय बाबूजी, मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर जी की 5वीं पुण्यतिथि पर भोपाल के भेल स्थित बाबूलाल गौर शासकीय पी.जी. कॉलेज परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन 21 अगस्त बुधवार को सुबह 11.00 बजे आयोजित किया जा रहा है।

मप्र के विकास और जनसेवा के लिए आजीवन समर्पित रहे बाबूजी के व्यक्तित्व और कृतित्व को गोविंदपुरा के लोग एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी याद करते हैं जो उन्हें जनसेवा भाव की प्रेरणा देते हैं।

हमारे अग्रज, मार्गदर्शक, पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर जी ने सदैव श्रमिकों व कमजोर वर्ग के हितों की रक्षा हेतु कार्य किया। राष्ट्र और जनसेवा के अपने कार्यों के माध्यम से सर्वदा हम सबके हृदय में रहेंगे।

अस्थायी कनेक्शन देने के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने माकूल प्रबंध किए हैं

अस्थाई कनेक्शन लेकर ही झांकी-पंडाल की सज्जा करें

एजेंसी, भोपाल

गणेशोत्सव त्यौहार तथा अन्य त्यौहारों में पंडालों को अस्थायी कनेक्शन देने के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने माकूल प्रबंध किए हैं। कंपनी ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे गणेशोत्सव के दौरान धार्मिक पण्डालों एवं झॉंकियों में बिजली साज-सज्जा,नियमानुसार ऑनलाइन अस्थाई कनेक्शन लेकर ही करें।

अस्थाई कनेक्शन लेने हेतु क्या करें- बिजली कंपनी के पोर्टल http://saral-sanyojan.mpcz.in:/home पर जाकर निर्धारित प्रपत्र में सही, संयोजित विद्युत भार को दर्शाते हुए अस्थायी कनेक्शन हेतु ऑनलाइन

आवेदन प्रस्तुत करें। लायसेंसी विद्युत ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट आवेदन में संलग्न करें एवं वायरिंग इत्यादि लायसेंसधारी विद्युत ठेकेदार से ही करवाएं। आवेदन में दर्शाए अनुसार विद्युत भार के अनुरूप सुरक्षा निधि एवं अनुमानित विद्युत उपभोग की राशि अग्रिम जमा कराकर बिजली कंपनी से अस्थाई कनेक्शन की रसीद अवश्य लें। रसीद की लेमीनेटेड प्रति अनिवार्य रूप से पंडाल/झॉंकी के सामने लगाएं।आवेदित विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग विद्युत साज-सज्जा के लिए न करें।विद्युत कनेक्शन मीटरीकृत होगा एवं विद्युत देयक की बिलिंग नियमानुसार अस्थायी कनेक्शन हेतु लागू घरेलू दर पर की जाएगी। झांकियों के निर्माण एवं विद्युत साज-सज्जा में सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। अनाधिकृत तरीके से विद्युत का उपयोग न करें। अधिक जानकारी के लिए कंपनी के टोल फ्री नंबर 1912 पर भी कॉल कर सकते हैं।

अस्थाई कनेक्शन न लेने से होने वाले नुकसान-अधिक भार से ट्रांसफार्मर के जलने की संभावना तथा दुर्घटना की आशंका। पारेषण एव वितरण प्रणाली पर विपरीत असर होने से अंधेरे की संभावना।

अनधिकृत विद्युत उपयोग करने पर इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के तहत उपयोगकर्ता एवं जिस विद्युत ठेकेदार से कार्य कराया गया है, उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही।

अनधिकृत विद्युत उपयोग की दशा में संबंधित विद्युत ठेकेदार के लायसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही।

स्वामी ,मुद्रक एवं प्रकाशक राजीव मिश्रा * द्वारा बालाजी प्रिंटर्स एलयूएन शेड नं. 2, सेक्टर- एच, इंडस्ट्रियल एरिया गोविंदपुरा, भोपाल कोड 462023 भोपाल कोड 262023 से मुद्रित एवं 269/1 मिसरोद, पुलिस स्टेशन के सामने मिसरोद, भोपाल से प्रकाशित । संपादक राजीव मिश्रा * । (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) ।Phone-0755-4860371 Email-Nobleexpressbpl@gmail.com RNI NO.MPHIN/2022/83545